



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 5 मार्च, 2007/14 फाल्गुन, 1928

हिमाचल प्रदेश सरकार

सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 26 फरवरी, 2007

संख्या आई०पी०एच०-बी (ए)३-१/२००५-१-हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल (विकास और प्रबन्धन का विनियमन और नियन्त्रण) नियम, २००६ का प्रारूप तारीख १५ नम्बर, २००६ के राजपत्र (असाधारण) हिमाचल प्रदेश में अधिसूचना संख्या आई०पी०एच०-बी०(ए)३-१/२००५-१, तारीख १३-११-२००६ द्वारा हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल (विकास और प्रबन्धन का विनियमन और नियन्त्रण) अधिनियम, २००५ की धारा २५ के अधीन यथा अपेक्षित उन व्यक्तियों से जिन को उनसे प्रभावित होने की सम्भावना थी, आक्षेप व

सुझाव आमन्त्रित करने के लिए प्रकाशित किया गया था और विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर किसी भी व्यक्ति से कोई आक्षेप/सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 25 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाते हैं; अर्थात्—

## अध्याय-1

### प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल (विकास और प्रबंधन का विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2007 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में इनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं.— (1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) "अधिनियम" से हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल (विकास और प्रबंधन का विनियमन और नियंत्रण) अधिनियम, 2005 (2005 का 31) अभिप्रेत है,

(ख) "अध्यक्ष" से प्राधिकरण का अध्यक्ष अभिप्रेत है;

(ग) "प्रारूप" से इन नियमों से संलग्न प्रारूप अभिप्रेत है;

(घ) "निधि" से इन नियमों के नियम 9 के अधीन गठित हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण निधि अभिप्रेत है;

(ङ) "सदस्य सचिव" से प्राधिकरण का सदस्य सचिव अभिप्रेत है;

(च) "अनुज्ञापत्र" से अधिनियम की धारा 7 के अधीन भूगर्भ जल को निकालने और प्रयोग करने के लिए प्रदान किया गया अनुज्ञापत्र अभिप्रेत है;

(छ) "अनुसूची" से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है; और

(ज) "धारा" से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है।

(2) उन शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में हैं।

## अध्याय-2

### प्राधिकरण के कारबार का संचालन निधि का गठन, लेखों को रखना और लेखाओं की संपरीक्षा

3. प्राधिकरण का कार्यालय समय, कारबार और बैठकें.—(1) प्राधिकरण का कार्यालय ऐसे कार्य दिवसों और घण्टों के लिए खुला रहेगा जैसे राज्य सरकार के कार्यालयों के लिए लागू है।

(2) जहां किसी गतिविधि के लिए अंतिम दिवस उस दिन पड़ता है जिस दिन प्राधिकरण का कार्यालय बन्द हो, तो ऐसी गतिविधि आगामी कार्य दिवस को की जा सकेगी जब कार्यालय खुला हो।

(3) प्राधिकरण आवेदनों/याचिकाओं के निपटान सहित मामलों पर विचार करने के लिए अपने कार्यालय में या किसी अन्य स्थान पर, किसी दिन जो इसके द्वारा समय-समय पर घोषित किया जा सकेगा, बैठकें आयोजित कर सकेगा।

4. प्राधिकरण की भाषा.—प्राधिकरण की कार्यवाहियां अंग्रेजी भाषा में संचालित की जाएगी।

5. प्राधिकरण के कृत्य.—प्राधिकरण अधिनियम के उपबन्धों के कार्यान्वयन के लिए उत्तरदायी होगा और राज्य सरकार के पर्यवेक्षण और नियन्त्रण के अधीन और इन नियमों के उपबन्धों के अधीन इसे यथा समनुदेशित कृत्यों का पालन तथा कर्तव्यों का निर्वहन करेगा।

6. प्राधिकरण के अध्यक्ष के कृत्य और कर्तव्य.— (1) अध्यक्ष;

(क) प्राधिकरण की बैठकों की अध्यक्षता करेगा; और

(ख) प्राधिकरण के कार्यकरण का पर्यवेक्षण, निदेश और नियन्त्रण करेगा।

(2) प्राधिकरण की शक्तियों के प्रयोग, कृत्यों के पालन और कर्तव्यों के निर्वहन के लिए अध्यक्ष की सहायता, प्राधिकरण का सदस्य सचिव करेगा।

7. प्राधिकरण के सदस्य सचिव की शक्तियां, कृत्य और कर्तव्य.—(1) अध्यक्ष के पर्यवेक्षण और नियन्त्रण के अधीन सदस्य सचिव निम्नलिखित शक्तियों का प्रयोग और निम्नलिखित कर्तव्यों का पालन करेगा, अर्थात्:—

- (क) वह प्राधिकरण के अभिलेखों को अपनी अभिरक्षा में रखेगा;
- (ख) वह प्राधिकरण से सम्बन्धित समस्त आवेदनों, याचिकाओं, शिकायतों या निर्देशों को प्राप्त करेगा या प्राप्त करवाएगा;
- (ग) वह, अन्य बातों के साथ, समस्त दस्तावेजों, आवेदनों, याचिकाओं, शिकायतों या निर्देशों की संवीक्षा (छानबीन) करेगा; और उन पर स्पष्टीकरणों या परिशुद्धियों की मांग करेगा।
- (घ) वह, इन नियमों के अधीन ऐसे कृत्यों का कार्यान्वयन करेगा, जो उसे प्राधिकरण द्वारा समनुदेशित किए जाएं;
- (ङ) वह प्राधिकरण द्वारा आगामी निपटान के लिए प्राप्त आवेदनों के ब्यौरे प्राधिकरण के समक्ष रखेगा;
- (च) वह बैठकों के लिए नोटिस जारी करेगा, बैठकों की कार्यसूची तैयार करेगा, और प्राधिकरण की बैठकों, के कार्यवृत्त तैयार करेगा; और
- (छ) उसकी सहायता ऐसे व्यक्ति द्वारा की जाएगी जिसे प्राधिकरण के अध्यक्ष के आदेश द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए।

8. प्राधिकरण के अध्यक्ष और सदस्यों के लिए यात्रा और अन्य भत्ते.—(1) प्राधिकरण की बैठकों या किसी गतिविधि में हाजिर होने के लिए अध्यक्ष सहित पदेन सदस्यों को यात्रा भत्ता नियमों के उपबंधों के अनुसार, जैसे कि हिमाचल प्रदेश सरकार के कर्मचारियों के मामले में उन पर लागू होंगे,

यात्रा और अन्य भत्ते संदत्त किए जाएंगे तथा ऐसे भत्तों का आहरण अपने मूल विभाग या संगठन से करेंगे।

(2) उप नियम (1) में निर्दिष्ट सदस्यों से भिन्न, प्राधिकरण के समस्त अन्य गैर-सरकारी सदस्यों को प्रति बैठक 500/- रुपये बैठक फीस संदत्त की जाएगी तथा यात्रा भत्ता और अन्य भत्ते राज्य सरकार के वर्ग-I अधिकारियों को अनुज्ञेय दर पर संदत्त किए जाएंगे।

9. निधि का गठन.—(1) प्राधिकरण राज्य सरकार के परामर्श से एक निधि का गठन करेगा जो हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण निधि के नाम से ज्ञात होगी;

(2) निधि,—

(i) अधिनियम के अधीन प्राधिकरण द्वारा प्राप्त समस्त फीसों, प्रभारों और शास्तियों;

(ii) राज्य या केन्द्रीय सरकारों से सहायता अनुदान के कारण प्राप्त राशियों; और

(iii) प्राधिकरण द्वारा अन्य स्रोतों से प्राप्त समस्त राशियों से समाविष्ट होगी ।

10. निधि का उपयोजन.—(क) अधिनियम और इन नियमों के अधीन प्राधिकरण को इसके कृत्यों और कर्तव्यों के व्ययों; और

(ख) अधिनियम और इन नियमों के अधीन विनिर्दिष्ट गतिविधियों और प्रयोजनों पर व्ययों को पूरा करने के लिए, किया जाएगा ।

11. लेखे बनाए रखना.—(1) प्राधिकरण, जैसा कि राज्य सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, उचित लेखे और अन्य अभिलेख रखेगा ।

(2) प्राधिकरण, प्रतिवर्ष जुलाई मास में 31 मार्च को समाप्त होने वाले पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष की आय और व्यय का विवरण तैयार करवाएगा तथा उसकी एक प्रति राज्य सरकार को देगा ।

12. बैंक खाता खोलना और इसका संचालन.—(1) प्राधिकरण एक या अधिक अनुसूचित बैंकों अथवा राज्य सहकारी बैंक में एक खाता खोलेगा और प्राप्त किया गया समस्त धन प्राधिकरण के खाते में जमा किया जाएगा तथा खाता बैंक के माध्यम से सदस्य सचिव द्वारा संचालित किया जाएगा ।

(2) प्राधिकरण बैंक को इसकी सूचना और अभिलेख के लिए सदस्य सचिव के नमूना-हस्ताक्षर उपलब्ध करवाएगा ।

13. लेखों की लेखा परीक्षा.—प्राधिकरण के लेखों की लेखा परीक्षा प्रतिवर्ष परीक्षक स्थानीय लेखा विभाग, हिमाचल प्रदेश द्वारा की जाएगी ।

## अध्याय-3

## प्राधिकरण की कार्यवाहियों से सम्बन्धित साधारण नियम

14. प्राधिकरण की कार्यवाहियाँ.—(1) प्राधिकरण, अधिनियम और इन नियमों के अधीन अपने कृत्यों के निर्वहन में जैसा यह समुचित समझे समय-समय पर चर्चा, विचार-विमर्श, अन्वेषण और परामर्श के लिए बैठकें आयोजित करेगा।

(2) प्राधिकरण अपने कारबार का निपटान करने के लिए तीन मास में कम से कम एक बार बैठक करेगा।

15. आवेदनों की प्रक्रिया.—(1) प्राधिकरण द्वारा किसी विशिष्ट दिन, सामान्य कार्य समय के दौरान प्राप्त आवेदनों को उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।

(2) अधूरा/अस्पष्ट आवेदन या अधिनियम और इन नियमों के उपबन्धों के अनुरूप नहीं पाया गया आवेदन अस्वीकृत किया जाएगा।

(3) आवेदनों की प्रक्रिया के दौरान प्राधिकरण का सदस्य सचिव, उन आवेदनों को जो समस्त प्रकार से पूर्ण है आगामी निपटान के लिए प्राधिकरण के समक्ष प्रस्तुत करेगा।

(4) सदस्य सचिव आवेदन की संवीक्षा (छानबीन) करने पर, जैसा वह आवेदन की आगामी प्रक्रिया को प्रयोजन के लिए आवश्यक समझे आवेदक से ऐसी सूचना अथवा विशिष्टियाँ या दस्तावेज प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकेगा।

(5) प्राधिकरण द्वारा, यथासाध्य, इन नियमों के अधीन प्राप्त आवेदनों की प्रक्रिया के लिए निम्नलिखित समय अनुसूची का पालन किया जाएगा.—

क्रम सं० आवेदन का विवरण/प्रकृति

प्रक्रिया के लिए अधिकतम समय

(क) अधिनियम की धारा 7 के अधीन भूगर्भ जल निकालने (निष्कर्षण) और प्रयोग करने के लिए अनुज्ञापन प्रदान करना;

आवेदन की प्राप्ति की तारीख से साठ दिन।

(ख) अधिनियम की धारा 8 के अधीन विद्यमान उपभोक्ता के लिए रजिस्ट्रीकरण का प्रमाण-पत्र प्रदान करना;

आवेदन की प्राप्ति की तारीख से साठ दिन।

**क्रम सं० आवेदन का विवरण/प्रकृति**

**प्रक्रिया के लिए अधिकतम समय**

(ग) अधिनियम की धारा 9 के अधीन रिग स्वामी/ड्रिलींग अभिकरण की मशीनरी का रजिस्ट्रीकरण।

आवेदन की प्राप्ति की तारीख से तीस दिन।

(घ) अधिनियम की धारा 10 के अधीन अनुज्ञापत्र या रजिस्ट्रीकरण के प्रमाण-पत्र के निवेदन और शर्तों में परिवर्तन, संशोधन या फेरफार।

आवेदन की प्राप्ति की तारीख से तीस दिन।

**अध्याय-4**

**भूगर्भ जल को निकालने (निष्कर्षण) के लिए अनुज्ञापत्र प्रदान करने हेतु आवेदन**

**16. भूगर्भ जल को निकालने (निष्कर्षण) और प्रयोग करने के लिए अनुज्ञापत्र हेतु आवेदन.—**(1) भूगर्भ जल का कोई उपभोक्ता जो अधिसूचित क्षेत्र में नया कुआं खोदना चाहता है, धरेलू/सिंचाई प्रयोजनों के लिए प्ररूप-1 में और वाणिज्यिक/औद्योगिक प्रयोजन के लिए प्ररूप-1 क में, तीन प्रतियों में भूगर्भ जल को निकालने और प्रयोग करने के लिए अनुज्ञापत्र हेतु प्राधिकरण को आवेदन करेगा। तथा आवेदन के साथ नियम 31 में यथाविनिर्दिष्ट अप्रतिदेय (नान-रिफंडेबल) फीस संदत्त किए जाने का दस्तावेजीय सबूत और उक्त प्ररूपों के नीचे टिप्पण में यथा-विनिर्दिष्ट अन्य दस्तावेज संलग्न होंगे।

(2) आवेदक, यथास्थिति, अपने निवास या कार्यालय में और ऐसे अन्य स्थान पर, जैसा प्राधिकरण द्वारा अभिहित (नामनिर्दिष्ट) किया जाए, उप-नियम (1) में निर्दिष्ट दस्तावेजों की प्रतियां लोक निरीक्षण के लिए रखेगा तथा उनके लिए आवेदन करने वाले व्यक्तियों को ऐसे दस्तावेजों की प्रतियां 1/- रुपया प्रति पृष्ठ से अनधिक मूल्य पर देगा।

**17. अनुज्ञापत्र के लिए आवेदन की सूचना (नोटिस) का प्रकाशन.—**(1) यदि प्राधिकरण का यह निष्कर्ष है कि अधिसूचित क्षेत्र में अनुज्ञापत्र प्रदान करने के लिए आवेदन समस्त प्रकार से पूर्ण है और इसके साथ अपेक्षित सूचना एवं दस्तावेज संलग्न है, तो यह हितबद्ध व्यक्तियों से आक्षेप आमंत्रित करने के लिए प्ररूप-2 में संलग्न आवेदन की सूचना (नोटिस) प्रकाशित करेगा.—

(क) वाणिज्यिक/औद्योगिक उपयोग की दशा में, दो मुख्य दैनिक समाचार पत्रों में और उसकी प्रति भी यथास्थिति अधिकारिता रखने वाली ग्राम पंचायत का नगरीय (शहरी) स्थानीय प्राधिकरण के सूचना बोर्ड पर दर्शित की जाएगी; और

(ख) सिंचाई के मामले में, सूचना (नोटिस) की प्रति अधिकारिता रखने वाले स्थानीय प्राधिकरण सूचना बोर्ड पर प्रदर्शित की जाएगी।

(2) यदि सूचना (नोटिस) में दी गई नियत तारीख तक किसी भी ओर से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं होते हैं, तो प्राधिकरण अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार और इन नियमों के अधीन अनुज्ञापत्र को प्रदान करने या अस्वीकृत करने के लिए आगामी कार्यवाही करेगा।

**18. अनुज्ञापत्र प्रदान करने के लिए आक्षेपों की सुनवाई.—**(1) आवेदक प्राधिकरण को किसी कानूनी निकाय या केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार से अपेक्षित, निराक्षेप प्रमाण-पत्र यदि कोई, हो देगा।

(2) प्राधिकरण आवेदन की जांच या सुनवाई की सूचना, यथास्थिति, आवेदक और/या सम्बन्धित स्थानीय प्राधिकरण या उन व्यक्तियों को जिन्होंने आक्षेप दाखिल किए हैं या ऐसे अन्य निकाय या व्यक्तियों को जिन्हें प्राधिकरण समुचित माने, देगा।

**19. अनुज्ञापत्र जारी करना.—**(1) आवेदन की जांच और सुनवाई के पश्चात् तथा धारा 7 की उपधारा (5) के उपबन्धों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकरण आवेदन का विनिश्चय करेगा और प्राधिकरण या इसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी, अपने विनिश्चय को, विनिश्चय की तारीख से तीस दिन के भीतर आवेदक को सूचित करेगा।

(2) यदि प्राधिकरण अनुज्ञापत्र प्रदान करने का विनिश्चय करता है, तो यह धारा 7 के उपबन्धों को ध्यान में रखते हुए ऐसे निबंधन और शर्तों पर ऐसा कर सकेगा जैसे इसके द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं।

(3) आवेदक द्वारा उस शर्त को पूरा करने के पश्चात् जिसके अध्याधीन उपरोक्त उप-नियम (2) के अधीन अनुज्ञापत्र प्रस्थापित किया जाता है, प्राधिकरण भूगर्भ जल को निकालने या विद्यमान जल स्रोत का संवर्धन करने के लिए इन नियमों से संलग्न प्ररूप-3 में अनुज्ञापत्र जारी करेगा।

(4) प्राधिकरण, अनुज्ञापत्र को जारी करने के ठीक पश्चात् अनुज्ञापत्र की एक प्रति सम्बन्धित स्थानीय निकाय को और ऐसे अन्य व्यक्ति को, जिसे प्राधिकरण आवश्यक समझे, अग्रेषित करेगा।

**20. अनुज्ञापत्र के प्रारम्भ की तारीख.—**अनुज्ञापत्र इसके जारी करने की तारीख से प्रारम्भ होगा।

**21. अनुज्ञापत्र धारक के कर्तव्य और उत्तरदायित्व.—**अनुज्ञापत्र धारक का यह कर्तव्य होगा कि वह भूगर्भ जल को निकालने के लिए दक्ष, समन्वित और मितव्ययी पद्धति को विकसित करने और बनाए रखे तथा जल का प्रयोग उस प्रयोजन के लिए करें जिसके लिए अनुज्ञापत्र दिया गया है। वह यह भी सुनिश्चित करेगा कि अधिनियम और इन नियमों में अन्तर्विष्ट समस्त अन्य उपबन्धों और जारी किए गए अनुज्ञापत्र में अधिरोपित शर्तों, यदि कोई हो, का अतिक्रमण न हो।



## अध्याय-5

### भूगर्भ जल स्रोतों के विद्यमान उपभोक्ताओं का रजिस्ट्रीकरण

22. विद्यमान भूगर्भ जल उपभोक्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन.—(1) धारा 8 के अधीन भूगर्भ जल स्रोत के विद्यमान उपभोक्ता के रजिस्ट्रीकरण और रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए आवेदन धरेलु/औद्योगिक प्रयोजन के लिए प्ररूप-4 में और वाणिज्यिक/ औद्योगिक प्रयोजन के लिए प्ररूप-4 क में, तीन प्रतियों में, किया जाएगा, तथा इसके साथ नियम-31 में यथाविनिर्दिष्ट अप्रतिदेय (नान रिफंडेबल) फीस संद्रुत किए जाने का दस्तावेजीय सबूत और उक्त प्ररूपों के नीचे टिप्पण में यथाविनिर्दिष्ट अन्य दस्तावेज संलग्न होंगे ।

(2) आवेदक, यथास्थिति, अपने निवास या कार्यालय में और अन्य स्थान पर जो प्राधिकरण द्वारा अभिहित (नाम निर्दिष्ट) किया जाए, उप-नियम (1) में निर्दिष्ट दस्तावेजों की प्रतियां लोक (सार्वजनिक) निरीक्षण के लिए रखेगा तथा उनके लिए आवेदन करने वाले व्यक्तियों को ऐसे दस्तावेजों की प्रतियां 1 रुपया प्रति पृष्ठ से अनधिक मूल्य पर देगा ।

23. विद्यमान भूगर्भ जल उपयोक्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन की सूचना का प्रकाशन.—(1) यदि प्राधिकरण का यह निष्कर्ष है कि अधिसूचित क्षेत्र में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन समस्त प्रकार से पूर्ण है और इसके साथ अपेक्षित सूचना एवं दस्तावेज संलग्न है, तो यह हितवद्ध व्यक्तियों से आक्षेप आमंत्रित करने के लिए प्ररूप-5 में आवेदन की सूचना (नोटिस) प्रकाशित करेगा.—

(क) वाणिज्यिक/औद्योगिक उपयोग के मामले में, दो मुख्य दैनिक समाचार-पत्रों में और उसकी प्रति भी, यथास्थिति, अधिकारिता रखने वाली ग्राम पंचायत या नगरीय (शहरी) स्थानीय प्राधिकरण के सूचना बोर्ड पर प्रदर्शित की जाएगी; और

(ख) सिंचाई के मामले में, इसकी एक प्रति, अधिकारिता रखने वाले स्थानीय प्राधिकरण के सूचना बोर्ड पर प्रदर्शित की जाएगी ।

(2) यदि सूचना (नोटिस) में दी गई नियत तारीख तक किसी भी ओर से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं होते हैं, तो प्राधिकरण अधिनियम और इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र को जारी करने के लिए आगामी कार्यवाही करेगा ।

24. रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए आक्षेपों की सुनवाई.—(1) यदि प्राधिकरण ने आवेदन की सूचना (नोटिस) समाचार-पत्रों में या अन्यथा सम्यक रूप से प्रकाशित की गई है और आक्षेपों को दाखिल करने का समय समाप्त हो चुका है तथा

आवेदक ने किसी कानूनी निकाय या केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार से अपेक्षित निराक्षेप प्रमाण-पत्र, यदि कोई हो, दिया है तो यह आवेदन की सुनवाई के साथ आगामी कार्यवाही करेगा।

(2) प्राधिकरण जांच या सुनवाई की सूचना (नोटिस), आवेदक और/या सम्बन्धित स्थानीय प्राधिकरण या उन व्यक्तियों को जिन्होंने आक्षेप दाखिल किए हैं और ऐसे अन्य निकाय या व्यक्तियों को, जिन्हें प्राधिकरण समुचित माने, देगा।

**25. रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र.—**(1) प्राधिकरण जांच और सुनवाई के पश्चात् तथा अधिनियम की धारा 8 की उप-धारा (4) में अन्तर्विष्ट उपबन्धों को ध्यान में रखते हुए रजिस्ट्रीकरण के प्रमाण-पत्र जारी करने या अस्वीकृत करने के लिए आवेदन की प्राप्ति से साठ दिन के भीतर विनिश्चय करेगा तथा प्राधिकरण या इसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी विनिश्चय की तारीख से तीस दिन के भीतर अपने विनिश्चय को आवेदक को सूचित करेगा।

(2) यदि प्राधिकरण रजिस्ट्रीकरण के प्रमाण-पत्र को प्रदान करने का विनिश्चय करता है, तो यह ऐसे निबंधन और शर्तों पर जैसे इसके द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं ऐसा कर सकेगा तथा प्राधिकरण प्ररूप-6 में रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र जारी करेगा।

(3) प्राधिकरण रजिस्ट्रीकरण के प्रमाण-पत्र के जारी करने के ठीक पश्चात् प्रमाण-पत्र की एक प्रति सम्बन्धित स्थानीय निकाय को और ऐसे अन्य व्यक्ति को जिसे प्राधिकरण आवश्यक समझे, अग्रेषित करेगा।

## अध्याय -6

### ड्रिलिंग मशीनरी का रजिस्ट्रीकरण

**26. ड्रिलिंग मशीनरी के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन.—**(1) राज्य में क्रियाशील प्रत्येक रिग-स्वामी या ड्रिलिंग अभिकरण अपनी मशीनरी के रजिस्ट्रीकरण हेतु इन नियमों से संलग्न प्ररूप-7 में आवेदन करेगा तथा इसके साथ नियम-31 में यथा-विनिर्दिष्ट अप्रतिदेय (नान-रिफंडेबल) फीस संदत्त किए जाने के दस्तावेजीय सबूत संलग्न करेगा।

(2) धारा 9 के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए उप-नियम (1) के अधीन समर्थक दस्तावेजों सहित प्रत्येक आवेदन आवेदक द्वारा (व्यक्ति के मामले में) या प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता द्वारा (नियमित निकाय के मामले में) हस्ताक्षरित किया जाएगा और प्राधिकरण के सदस्य सचिव को सम्बोधित किया जाएगा तथा इसके साथ निदर्शन पत्र (प्रोफार्मा) की तीन प्रतियां या प्रतियों की ऐसी संख्या जैसी प्राधिकरण निर्दिष्ट करे, संलग्न की जाएगी।

(3) आवेदन की प्राप्ति पर, सदस्य सचिव इसकी प्राप्ति की तारीख नोट करेगा और आवेदक को इसकी प्राप्ति की अभिस्वीकृति भेजेगा ।

(4) यदि प्राधिकरण, अपेक्षित सूचना, विशिष्टियों और दस्तावेजों सहित आवेदन को पूर्ण पाता है तथा अपना यह समाधान होने पर कि आवेदक ने आवेदन करने के लिए समस्त अपेक्षाओं का अनुपालन किया है, प्राधिकरण या सदस्य सचिव मशीनरी/उपस्कर को रजिस्टर करेगा और प्ररूप -8 में रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र जारी करेगा ।

## अध्याय- 7

### अन्वेषण, जांच, सर्वेक्षण और सूचना का संग्रहण

27. भूगर्भ जल स्रोतों पर आंकड़ों का संग्रहण.—(1) जहां किसी क्षेत्र में भूगर्भ जल की उपलब्धता का निर्धारण करना और खोदे जा रहे या खोदे गए कुएं का व्यास या गहराई, स्तर, जिस पर जल का पता लगाया गया है या था और तत्पश्चात् प्रत्यावर्तित किया गया/रहने दिया गया, कुआं खोदते हुए जिन संस्तरों (परतों) का सामना किया गया उनकी किस्में और पता लगाए गए जल की गुणवत्ता और मात्रा तथा निकाले गए जल के अधिकतम उपयोग सहित भूगर्भ जल से सम्बन्धित अवसंरचना पर कोई आंकड़े अभिप्राप्त करना लोक-हित में आवश्यक या समीचीन है, वहां प्राधिकरण, किसी भी समय, किसी संस्था, परामर्शियों, विशेषज्ञों, इंजीनियरों, सर्वेक्षकों और ऐसे अन्य तकनीकी एवं वृत्तिक व्यक्तियों जैसा यह आवश्यक समझे, की सहायता ले सकेगा तथा उन्हें किसी मामले या विवादक का अध्ययन, अन्वेषण या जांच करने तथा रिपोर्ट या रिपोर्टें प्रस्तुत करने अथवा कोई सूचना देने के लिए कह सकेगा तथा प्राधिकरण ऐसे वृत्तिकों की नियुक्ति विनियोजन के लिए निबंधन और शर्तें अवधारित कर सकेगा ।

(2) शक्तियों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना प्राधिकरण भूगर्भ जल से सम्बन्धित सूचना एकत्रित (संग्रहण) करने के बारे में तथा इस बाबत जांच और अन्वेषण संचालित करने के प्रयोजन से.—

(क) किसी भी समय, किसी एक या अधिक अधिकारियों या परामर्शियों या किसी अन्य व्यक्ति को, जैसा प्राधिकरण समुचित समझे, प्राधिकरण के कार्यक्षेत्र के भीतर किसी मामले की बाबत अध्ययन करने, अन्वेषण करने या सूचना देने के लिए निर्दिष्ट कर सकेगा;

(ख) ऐसे अन्य निदेश दे सकेगा जैसे उक्त प्रयोजन के लिए यह उचित समझे और ऐसा समय निर्दिष्ट कर सकेगा जिसके भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी है या सूचना दी जानी है ।

- (ग) सूचना विशिष्टियाँ [कुएं का व्यास या गहराई, कुएं के ड्रिलिंग कार्यों में जिन संस्तरों (परतों) का सामना किया गया उनकी किस्में और वहां से निकाले गए जल की गुणवत्ता और मात्रा सहित] या दस्तावेज, जिन्हें प्राधिकरण अपने कृत्यों के निर्वहन के सम्बन्ध में आवश्यक मानें, एकत्रित करने के प्रयोजनों के लिए ऐसे निदेश जारी कर सकेगा और अधिनियम में उपबंधित किन्हीं एक या अधिक पद्धतियों का अनुसरण कर सकेगा जैसा प्राधिकरण समुचित समझे ;
- (घ) यदि अधिनियम या इस नियम में यथा विनिर्दिष्ट अभिप्राप्त कोई ऐसी रिपोर्ट या सूचना न्यून या अपर्याप्त प्रतीत होती है, तो प्राधिकरण या इसके द्वारा इस प्रकार प्राधिकृत सदस्य सचिव आगामी जांच, रिपोर्ट और सूचना देने के लिए निदेश दे सकेगा;
- (ङ) यह निदेश दे सकेगा कि ऐसे आनुषंगिक पारिणामिक और अनुपूरक विषयों, मामलों जो उपरोक्त के सम्बन्ध में सुसंगत माने जाएं पर ध्यान दिया ( देखा ) जाए; और
- (च) कुआं खोदने वाले व्यक्ति से लिखित में, वहां से निकाली गई मिट्टी और सामग्री के नमूने, कुएं की खुदाई ड्रिलिंग के समापन या परित्याग की तारीख से तीन मास से अनधिक अवधि के लिए रखने और परिरक्षित करने तथा इसे प्राधिकरण या उसके द्वारा इस प्रकार प्राधिकृत सदस्य सचिव के द्वारा परीक्षण के लिए प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जा सकेगी।

(3) इन नियमों के अधीन यदि वांछित रिपोर्ट या सूचना अथवा उसका कोई अंश प्राधिकरण द्वारा किसी भी कार्यवाही में राय या विचार बनाने में निर्भर होने के लिए प्रस्तावित है, तो कार्यवाही में पक्षकारों को रिपोर्ट या सूचना पर आक्षेप दाखिल करने और इस निमित्त निवेदन सबमीशन करने के लिए उचित अवसर दिया जाएगा।

### अध्याय— 8

**वर्षा जल का संचयन, संरक्षण, और भूगर्भ जल का पुनःप्रभरण तथा बेकार जल प्रबंधन**

**28. वर्षा जल का संचयन प्रचार कार्यक्रम.—** प्राधिकरण, अधिनियम के उपबन्धों को कार्यान्वित करने की दृष्टि से.—

- (क) भूगर्भ जल के पुनःप्रभरण के लिए वर्षा जल का संचयन करने के लिए दिशा निर्देश जारी कर सकेगा;

- (ख) ग्रामीण और नगरीय (शहरी) दोनों क्षेत्रों में पर्वतीय शिखरों (पहाड़ी चोटियों) पर्वत-स्कंधों और नदी/जलधारा (दरिया) किनारों के निवासियों द्वारा अनुसरण करने हेतु उचित उपायों के लिए सुझाव दे सकेगा;
- (ग) ग्रामीण और नगरीय (शहरी) क्षेत्रों में भूगर्भ जल प्रबंधन के लिए स्कीमें बना सकेगा;
- (घ) वर्षा जल संचयन को संप्रवर्तित करने (की अभिवृद्धि करने) के लिए कार्यशालाओं (कार्य शिविर) सेमिनारों, लोक भाषणों, विचार-विमर्शों, रेडियो और दूरदर्शन कार्यक्रमों सहित सूचना, शिक्षा और संचार गतिविधियों का जिम्मा ले सकेगा; और
- (ङ) जलागम क्षेत्रों में सामुदायिक वर्षा जल भंडारकरण या अतः सवर्ण जलाशय (टंकियों) (रिसाव वाली टंकियों) तालाबों, रोक बांधों या पुनः प्रभरण कृषकों के निर्माण के लिए प्रोत्साहित कर सकेगा ।

**29. निदेश जारी करने की शक्ति.**—(1) प्राधिकरण, स्थानीय प्राधिकरणों और सरकारी विभागों को, उनकी विकासात्मक स्कीमों/योजनाओं में अधिसूचित क्षेत्रों में, भूगर्भ जल के पुनःप्रभरण के लिए वर्षा जल के संचयन की व्यवस्था (उपलब्ध) करने के लिए निदेश जारी कर सकेगा :

परन्तु यह कि नगरीय (शहरी) क्षेत्रों में, अधिसूचित क्षेत्र के भीतर, इन नियमों के अधीन जारी कोई भी निदेश वर्षा जल संचयन अवसंरचनाओं के सन्निर्माण के लिए निम्नलिखित में लागू नहीं होगा.—

- (क) 100 वर्ग मीटर से न्यून कुर्सी क्षेत्रफल (टिलथसंटिया) वाले आवासीय या वाणिज्यिक परिसर में; या
- (ख) धंसने वाले परिक्षेत्रों में जहां वर्षा जल संचयन अवसंरचनाओं का निर्माण क्षेत्र में भवन अवसंरचनाओं की सुरक्षा के लिए हानिकारक होगा ।

### अध्याय-9

**भूगर्भ जल निकालने (निष्कर्षण) और उपभोग करने के लिए रायल्टी**

**30. रायलेटी का उद्ग्रहण और संग्रहण.**—जब तक कि राज्य सरकार द्वारा अन्यथा निदिष्ट न किया जाए, प्रत्येक व्यक्ति जो भी अधिसूचित क्षेत्र के भीतर वाणिज्यिक औद्योगिक या सिंचाई प्रयोजनों हेतु भूगर्भ जल निकालता है, प्राधिकरण को प्रतिवर्ष 1/2 रुपया प्रति दस हजार लीटर की दर से रायल्टी संदत्त करेगा:

परन्तु भूगर्भ जल के ऐसे उपभोक्ता, जो एक हैक्टेयर से कम भूमि, चाहे स्वामित्व में हो या पट्टे पर ली गई हो या दोनों हो, सिंचित करता है को रायल्टी के संदाय से छूट-प्राप्त होगी।

(2) इस प्रकार संग्रहीत रायल्टी की राशि का एक-चौथाई प्राधिकरण द्वारा राज्य सरकार को भेजा (प्रेषित किया) जाएगा और शेष तीन-चौथाई प्राधिकरण द्वारा उन पंचायती राज संस्थाओं/स्थानीय निकायों, जिनकी अधिकारिता से रायल्टी संग्रहीत की गई है, के भूगर्भ जल स्रोतों के विकास के लिए, उनको आगामी संदितरण के लिए रखी जाएगी।

## अध्याय-10

### फीस और जुर्माना

31. आवेदनों पर फीस.— (1) धारा 7 के अधीन अनुज्ञापत्र प्रदान करने अथवा धारा 8 के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र प्रदान करने के लिए या धारा 9 के अधीन उनके द्वारा नियोजित रिग ऑपरेटर और ड्रिलिंग अभिकरण (एजेंसी) और मशीनरी या उपस्कर के रजिस्ट्रीकरण हेतु या धारा 10 के अधीन अनुज्ञापत्र या रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र में परिवर्तन, संशोधन और फेरफार करने के लिए, प्रत्येक आवेदन, ऐसे अनुज्ञापत्र या प्रमाण-पत्र के निबन्धनों और शर्तों के अनुसार, यथास्थिति अनुसूची में यथाविनिर्दिष्ट समुचित फीस के संदाय पर किया जाएगा।

(2) इन नियमों के अधीन संदेय फीस शिमला में संदेय मांगदेय ड्राफ्ट (डिमान्ड ड्राफ्ट) या संदाय आदेश (पे आर्डर) के रूप में प्राधिकारी के पक्ष में संदत्त की जाएगी।

(3) इन नियमों के अधीन प्राधिकारी द्वारा प्राप्त फीस इन नियमों के नियम 12 के अधीन किसी अनुसूचित बैंक में जमा की जाएगी।

32. अपराधों का शमन.—जहां अधिनियम के अधीन कोई अपराध किया जाता है तो ऐसे अपराध का, कार्यवाहियों के संस्थित किये जाने से पूर्व या पश्चात्, प्राधिकारी या राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अन्य किसी अधिकारी द्वारा, उस पर प्रतिकर के रूप में धनराशि, जो जुर्माने की अधिकतम सीमा के आधे से अधिक नहीं होगी जो इसके लिए अधिरोपित की जा सके, स्वीकार करने के पश्चात् किसी भी समय शमन किया जा सकेगा:

परन्तु यह कि प्रतिकर या जुर्माने की मात्रा और/या प्रशमन फीस अवधारित करते समय प्राधिकारी अन्य सुसंगत बातों (चीजों) के साथ निम्नलिखित पर विचार करेगा:—

(क) अननुपालना अथवा उल्लंघन की प्रकृति और विस्तार;

- (ख) अननुपालना अथवा उल्लंघन के परिणाम स्वरूप व्युत्पन्न सदोप अभिलाभ या नावाजिव फायदे की रकम;
- (ग) अननुपालना अथवा उल्लंघन के परिणामस्वरूप किसी व्यक्ति (व्यक्तियों) को कारित हानि की रकम या उत्पीड़न की मात्रा; और
- (घ) अननुपालना अथवा उल्लंघन की पुनरावृत्ति प्रकृति।

**33. जुर्माना और प्रशमन फीस.**—प्राधिकरण द्वारा प्रभारित जुर्माना और उदगृहित प्रशमन फीस संदेय होगी और रकम को नियम 31 में यथाविनिर्दिष्ट रीति में जमा किया जाएगा।

**34. जुर्माना और खर्च की वसूली.**— धारा 13 की उप-धारा (1) के खण्ड (च) के परन्तुक या धारा 14 के परन्तुक या धारा 15 की उप-धारा (3) के अधीन वसूल किए जा सकने वाले खर्च, शास्ति, प्रभार और धारा 22 के अधीन प्रशमन फीस, यदि संदत्त नहीं की गई है, भू-राजस्व के बकाया के रूप में वसूलीय होगी।

## अध्याय-11

### अपीलें

**35. राज्य सरकार को अपीलें करना.**—(1) प्राधिकारी द्वारा किये गए किसी आदेश से व्यथित कोई व्यक्ति, अधिनियम की धारा 24 के अधीन प्रधान सचिव (सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग) हिमाचल प्रदेश सरकार को अपील कर सकेगा।

(2) अपील, इन नियमों के नियम 31 के उप-नियम (2) में; यथा विनिर्दिष्ट रीति में; दो सौ रुपये के संदाय पर दाखिल (फाईल) की जाएगी।

(3) अधिनियम की धारा 24 के अधीन राज्य सरकार को दाखिल (फाईल) की गई अपील सम्पक रूप से सत्यापित और प्ररूप-9 में शपथ-पत्र द्वारा समर्थित और उसके साथ,—

- (क) उस आदेश की एक प्रति, जिसके विरुद्ध अपील की गई है; और
- (ख) फीस के संदाय की रसीद की फोटो कापी, संलग्न होगी।

**अनुसूची**  
**फीस संरचना**

(नियम -16, 22, 26 और 31 देखें)

क्रम संख्या	आवेदन की प्रकृति	वैधानिक उपलब्ध	अप्रतिदेय फीस (रुपयों में)
1.	अनुज्ञापत्र प्रदान करने के लिए आवेदन ।	धारा 7 और नियम 16	(क) ट्यूब वेल के मामले में पांच हजार रुपये। (ख) ऊर्जा चालित हैण्ड पम्प के मामले में एक हजार रुपये। (ग) वाणिज्यिक/औद्योगिक उपयोक्ताओं के मामले में दस हजार रुपये।
2.	विद्यमान भूगर्भ जल उपयोक्ता को रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए आवेदन ।	धारा 8 और नियम 22	(क) ट्यूब वेल के मामले में पांच हजार रुपये (ख) ऊर्जा चालित हैण्ड पम्प के मामले में एक हजार रुपये। (ग) वाणिज्यिक/औद्योगिक उपयोक्ताओं के मामले में दस हजार रुपये।
3.	रिंग के स्वामियों और ड्रिलिंग अभिकरणों की मशीनरी और उपस्कर के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन ।	धारा 9 और नियम 26	दस हजार रुपये
4.	अनुज्ञापत्र या रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र के निबन्धनों में परिवर्तन करने, संशोधन करने या फेरफार करने के लिए आवेदन ।	धारा 10	पांच सौ रुपये
5 <sup>ए</sup>	कोई अन्य आवेदन जो उपरोक्त मद (1), (2), (3), तथा (4) के अन्तर्गत न आता हो।	—	सौ रुपये



प्ररूप-1

(नियम 16 देखें)

कुआं खुदवाने और भूगर्भ जल के उपयोग के लिए अनुज्ञा-पत्र प्रदान करने हेतु आवेदन का प्ररूप

(घरेलू / सिंचाई)

सेवा में,

सदस्य सचिव,  
हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण एवं  
अधीक्षण अभियन्ता (योजना एवं अन्वेषण)  
इकाई-II जल भवन, कसुम्पट्टी, शिमला-9.

महोदय,

मैं/हम निवेदन करते हैं कि मुझे/हमें कुएं को खुदवाने/विद्यमान कुएं के संवर्धन तथा भूगर्भ जल के उपयोग के लिए अनुज्ञापत्र प्रदान किया जाए। अपेक्षित सूचना नीचे दी गई है :—

(1) आवेदक के ब्यौरे:—

- (i) आवेदक का नाम :
- (ii) पिता/पति का नाम :
- (iii) पत्राचार के लिए पता :
- (iv) दूरभाष संख्या (यदि कोई है) :
- (v) फैंक्स संख्या (यदि कोई है) :
- (vi) ई-मेल पता (यदि कोई है) :

(2) भूगर्भ जल स्रोत के ब्यौरे अवस्थिति :—

- (i) सम्पदा के नाम सहित :  
सम्पदा की संख्या हदबस्त :
- (ii) खाता/खतौनी/खसरा संख्या :
- (iii) गांव/नगर/मोहल्ला/गली :
- (iv) तहसील :
- (v) जिला :

- (vi) क्या स्रोत ऐसे क्षेत्र में स्थित है जिसे धारा 5 के अधीन अधिसूचित क्षेत्र घोषित किया गया है, यदि ऐसा है, तो ब्यौरा दे :
- (vii) स्वामित्व
- (viii) क्या प्रस्ताव उथले/गहरे/ट्यूब वेल को खुदवाने से अन्तर्वर्तित है :
- (ix) प्रयोजन जिसके लिए जल का उपयोग किया जाना प्रस्तावित है :

मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि.—

- (क) उपरोक्त दी गई सूचना मेरी/हमारी पूरी जानकारी के अनुसार सही है ।
- (ख) मैंने/हमने हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल (विकास और प्रबन्धन का विनियमन और नियन्त्रण) अधिनियम, 2005 और तदधीन विरचित नियमों के उपबन्धों को पढ़ लिया है और उनका अनुपालन करने के लिए वचनबद्ध हूँ/हैं।
- (ग) मैंने/हमने बैंक ड्राफ्ट/चैक नम्बर.....  
तारीख.....द्वारा जारी.....के नाम पर  
..... बैंक का.....में देय या नकद प्राप्ति  
संख्या.....तारीख .....द्वारा .....रुपये  
की आवेदन फीस जमा कर दी है।
- (घ) मैं/हम हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल (विकास और प्रबन्धन का विनियमन और नियन्त्रण) अधिनियम, 2005 की धारा 7 के अधीन प्राधिकरण द्वारा प्रदान किए गए अनुज्ञा पत्र के निबन्धनों और शर्तों के अनुसार सर्वथा भूगर्भ जल स्रोत के निष्पादन/संवर्धन/अनुरक्षण/उपयोग करने की जिम्मेदारी लेता हूँ/लेते हैं।
- (ङ) मैं/हम मेरे/हमारे जल स्रोत के लिए और इसके सहबद्ध कार्यों के लिए प्राधिकरण और इसके अधिकारियों और कर्मचारियों को पहुंच उपलब्ध करवाऊंगा/करवाएंगे।
- (च) मैं/हम प्राधिकरण और इसके अधिकारियों द्वारा समय-समय पर जारी प्रत्येक विधिपूर्ण निदेशों/अनुदेशों का अनुपालन करूंगा/करेंगे।

आवेदक/—

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के  
पूर्ण पते सहित हस्ताक्षर।

तारीख : .....

स्थान : .....

**टिप्पण :** आवेदन प्ररूप के साथ निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न किए जाएंगे :—

1. आवेदक, सदस्य सचिव, हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण के पक्ष में शिमला में देय मांगदेय ड्राफ्ट के रूप में, सदस्य सचिव, हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण एवं अधीक्षण अभियन्ता (योजना एवं अन्वेषण यूनिट-II), जल भवन शिमला-9 को ट्यूब वेल के लिए पांच हजार रुपये और ऊर्जा चालित हैण्डपम्प के मामले में एक हजार रुपये की आवेदन फीस के साथ द्विप्रतिक में पूर्ण आवेदन अवश्य प्रस्तुत करें।
2. भूमि जिसमें स्रोत अवस्थित है की जमाबन्दी की प्रति।
3. ततीमा जिसमें जल स्रोत की सही अवस्थिति दर्शाई गई हो।
4. सही अवस्थिति और साथ लगते अलग से पहचान लिए जा सकने वाले विनिर्दिष्ट बिन्दुओं को दर्शित करती स्थल योजना (साइट प्लान)।
5. अनुमानित ऊर्जा क्षमता के साथ प्रतिस्थापित किए जाने वाले प्रस्तावित उपस्करों की सूची।
6. जो लागू नहीं है उसे काट दें।

-----  
**प्ररूप-1-क**

**(नियम 16 देखें)**

**(घरेलू/सिंचाई)**

**कुआं खुदवाने और भूगर्भ जल के उपयोग के लिए अनुज्ञा-पत्र प्रदान करने हेतु  
आवेदन का प्ररूप**

**(वाणिज्यिक/औद्योगिक उपयोक्ता)**

सेवा में,

सदस्य सचिव,

हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण एवं अधीक्षण अभियन्ता (योजना एवं अन्वेषण इकाई-II) जल भवन, कसुम्पटी, शिमला-9.



महोदय,

मैं/हम निवेदन करते हैं कि मुझे/हमें कुएं के खुदवाने/विद्यमान कुएं के संवर्धन और भूगर्भ जल के उपयोग के लिए अनुज्ञा-पत्र प्रदान किया जाए। अपेक्षित सूचना नीचे दी गई है:—

आवेदक के ब्यौरे :

- |     |   |   |
|-----|---|---|
| (1) | आवेदक का नाम                            | : |
| (2) | पिता/पति का नाम                         | : |
| (3) | पत्राचार के लिए पता                     | : |
| (4) | जहां आवेदक निगमित निकाय है, ब्यौरे दें— | : |
| (क) | कम्पनी/फर्म/सहकारी                      | : |
|     | सोसाइटी/अन्य                            | : |
| (ख) | कम्पनी कब और कहाँ                       | : |
|     | निगमित/रजिस्ट्रीकृत है                  | : |
|     | निगमन/रजिस्ट्रीकरण                      | : |
|     | का स्थान                                | : |
|     | निगमन का वर्ष                           | : |
|     | रजिस्ट्रीकरण संख्या                     | : |
|     | फर्म, सहकारी सोसाइटी के                 | : |
|     | रजिस्ट्रीकरण का स्थान                   | : |
| (ग) | निदेशक/भागीदारों/शासी                   | : |
|     | निकाय सदस्यों/न्यासियों के              | : |
|     | नाम और पते                              | : |

(2) भूगर्भ जल स्रोत के ब्यौरे :

(क) अवस्थिति

- |     |                           |   |
|-----|---------------------------|---|
| (1) | सम्पदा के नाम सहित        | : |
|     | सम्पदा की संख्या (हदबस्त) | : |
| (2) | खाता/खतौनी/खसरा संख्या    | : |
| (3) | गांव/नगर/मौहल्ला/गली      | : |
| (4) | तहसील                     | : |
| (5) | जिला                      | : |

- (6) क्या स्त्रोत ऐसे क्षेत्र में स्थित :  
है जिसे धारा 5 के अधीन  
अधिसूचित क्षेत्र घोषित किया  
गया है, यदि ऐसा है, तो ब्यौरे दें।

(ख) स्त्रोत के ब्यौरे :

- (1) क्या स्त्रोत बारहमासी :  
या मौसमी है।  
(2) भूगर्भ जल की गुणवत्ता :  
(3) जल प्राप्यता की मात्रा :

(ग) यदि ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है तो :  
क्षेत्र की ग्राम पंचायत का नाम।

(घ) यदि शहरी क्षेत्र में स्थित है तो क्षेत्र की  
नगरपालिका का नाम।

(ङ) स्त्रोत के विद्यमान उपयोग का स्वरूप:—

(1) घरेलू (2) औद्योगिक (3) क्या उद्योग  
लघु/बड़ा है (4) वाणिज्यिक (5) सिंचाई।

(3) स्वामित्व के ब्यौरे :—

क्या स्त्रोत प्राईवेट स्वामित्व के :  
अन्तर्गत हैं, यदि ऐसा है, तो स्वामित्व  
के ब्यौरे।

(4) कुआं खुदवाने या/भूगर्भ जल स्त्रोत के संवर्धन का प्रयोजन:—

- (1) प्रयोजन जिसके लिए जल निकालना या :  
उपयोग किया जाना प्रस्तावित है।  
(2) पूर्वक्षित उपयोक्ताओं के ब्यौरे :  
(3) निकाले जाने को प्रस्तावित जल की मात्रा :  
(4) जल की प्राप्यता की मात्रा और इसके  
उपयोग के बीच असमानता होने की दशा में  
हिताधिकारियों को अतिभेष जल की  
प्राप्यता के ब्यौरे।

- (5) क्या रजिस्ट्रीकरण का प्रमाण-पत्र :  
निदेशक, उद्योग से प्राप्त किया गया है  
(यदि हां तो एक प्रति प्रस्तुत की जाए)।
- (5) निष्पादित/अनुरक्षित किए जाने वाले कार्यों के ब्यौरे :
- (1) कार्यों के ब्यौरे :
  - (2) उपगत की जाने वाली अनुमानित लागत/व्यय। :
  - (3) क्या कार्य वैयक्तिक रूप से या सामूहिक तौर पर सहकारी रूप से या सामुदायिक आधार पर निष्पादित/अनुरक्षित किया जाना है। :
- (क) जहां कार्य सामूहिक तौर पर निष्पादित/अनुरक्षित किया जाना है, भागीदारों और उनके हिस्सों के ब्यौरे दें।
- (ख) जहां स्त्रोत या भूमि जिस पर स्त्रोत अवस्थित है, आवेदक के स्वामित्व के अधीन नहीं है, तो ऐसे स्त्रोत या भूमि के अर्जन की रीति। :
- (4) क्या स्त्रोत के अन्य विद्यमान प्रति स्पर्धा उपयोक्ताओं की सहमति प्राप्त की है, यदि ऐसा है, तो ब्यौरे दें। :
- (5) कार्य प्रारम्भ की तारीख :
- (6) तारीख जिसको कार्य पूर्ण किया जाना है। :
- (6) बेकार जल प्रबन्धन व्यवस्थाएं :
- (7) कोई अन्य सूचना जो सुसंगत समझी जाए या आवेदक :  
जिन्हें प्रदान किए जाने वाले अनुज्ञा-पत्र में सम्मिलित करना चाहता है। :

मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि :—

- (क) उपरोक्त प्रारूप में दी गई सूचना मेरी जानकारी के अनुसार सही है।
- (ख) मैंने/हमने हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल (विकास और प्रबन्धन का विनियमन और नियन्त्रण) अधिनियम, 2005 और तदधीन विरचित नियमों को पढ़ लिया है और उनका अनुपालन करने को वचनबद्ध हूँ/हैं।

- (ग) मैंने/हमने बैंक ड्राफ्ट/चैक नम्बर.....तारीख.....द्वारा जारी सदस्य सचिव, भूगर्भ जल प्राधिकरण के नाम पर.....बैंक का ....में देय या नकद में प्राप्ति संख्या.....तारीख.....द्वारा.....रुपये की आवेदन फीस जमा कर दी है।
- (घ) मैं/हम हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल (विकास और प्रबन्धन का विनियमन और नियन्त्रण) अधिनियम, 2005 की धारा 7 के अधीन प्राधिकरण द्वारा प्रदान किए गए अनुज्ञापत्र के निबन्धनों और शर्तों के अनुसार सर्वथा भूगर्भ जल स्रोत के निष्पादन/संवर्धन/अनुरक्षण/उपयोग करने की जिम्मेदारी लेता हूँ/लेते हैं।
- (ङ) मैं/हम मेरे/हमारे जल स्रोत के लिए और इसके सहयुक्त कार्यों के लिए प्राधिकरण और इसके अधिकारियों और कर्मचारियों को पहुंच उपलब्ध करवाऊंगा/करवाएंगे।
- (च) मैं/हम प्राधिकरण और इसके अधिकारियों द्वारा समय-समय पर जारी प्रत्येक विधिपूर्ण निदेशों/अनुदेशों का अनुपालन करूंगा/करेंगे।

आवेदक/

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के  
पूर्ण पते सहित हस्ताक्षर।

तारीख : .....  
स्थान : .....

**टिप्पण :** आवेदन प्रारूप के साथ निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न किए जाएंगे :—

1. आवेदक, सदस्य सचिव, हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण के पक्ष में शिमला में देय मांगदेय ड्राफ्ट के रूप में, सदस्य सचिव, हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण एवं अधीक्षण अभियन्ता (योजना एवं अन्वेषण यूनिट-II), जल भवन शिमला-9 को दस हजार रुपये की आवेदन फीस के साथ द्विप्रतिक में पूर्ण आवेदन अवश्य प्रस्तुत करें।
2. भूमि जिसमें स्रोत अवस्थित है की जमाबन्दी की प्रति।
3. ततीमा जिसमें जल स्रोत की सही अवस्थिति दर्शाई गई हो।
4. सही अवस्थिति और साथ लगते अलग से पहचान लिए जा सकने वाले विनिर्दिष्ट बिन्दुओं को दर्शित करती स्थल योजना (साइट प्लान)
5. कानूनी प्राधिकरण से अनुज्ञप्ति/अनापति प्रमाण-पत्र, यदि अपेक्षित हो, या आवेदक द्वारा यह घोषणा कि कृष् की प्रस्तावित खुदाई/ड्रिलिंग या जल स्रोत

- का संवर्धन किसी अन्य परिनियम के अधीन अनापति प्रमाण-पत्र की अपेक्षाओं के अधीन नहीं आता है।
6. भागीदारी फर्म की दशा में, भागीदारी विलेख।
  7. लिमिटेड कम्पनी की दशा में, संगम के ज्ञापन और संगम के अनुच्छेद तथा निगमन का प्रमाण-पत्र।
  8. अनुमानित ऊर्जा क्षमता के साथ प्रतिस्थापित किए जाने वाले प्रस्तावित उपस्करों की सूची।
  9. प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के लिए संकल्प।
  10. उद्योग विभाग/हिमाचल प्रदेश प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड से रजिस्ट्रीकरण।
  11. भूगर्भ जल अपेक्षाओं से सुसंगत परियोजना रिपोर्ट का सार उद्योगों की दशा में।
  12. जहां जल सर्वेक्षण/अध्ययन, संचालित किया जा चुका है, तो ऐसे सर्वेक्षण/अध्ययन की रिपोर्ट।
  13. भूमि या परिसम्पत्तियों, जो आवेदक ने जल निकालने के प्रयोजन के लिए अर्जित की जानी प्रस्तावित की हैं, को वर्णित करती हुई विवरणी और ऐसे अर्जन के साधन।
  14. जो लागू नहीं है उस काट दें।

### प्ररूप-2

### [ नियम 17 (1) देखें ]

### प्रकाशन का प्रपत्र

### हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण शिमला सार्वजनिक सूचना

एतद्वारा समस्त हितबद्ध व्यक्तियों को सूचना दी जाती है कि श्री/मैसर्स .....  
 ..... (आवेदक का नाम और पता) ने ..... क्षेत्र (अधिसूचित क्षेत्र  
 विनिर्दिष्ट करें) में ..... (जल स्रोत का नाम और अवस्थिति विनिर्दिष्ट  
 करें) में प्राप्य भूगर्भ जल निकालने और उपयोग करने के लिए अनुज्ञा-पत्र प्रदान करने हेतु



भूगर्भ-जल प्राधिकरण को आवेदन किया है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए आवेदन/दस्तावेजों का आवेदक के कार्यालय/निवास पर या.....प्राधिकरण द्वारा अभिहित नाम, स्थान या कार्यालय, यदि कोई हो कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है।

और इसकी प्रतियां आवेदक से प्राप्त की जा सकेंगी जिसकी कीमत एक रुपया प्रति पृष्ठ से अधिक नहीं होगी।

कोई भी व्यक्ति जिसे अनुज्ञा-पत्र प्रदान करने की बाबत कोई आक्षेप है या इस निमित्त अन्यथा अभ्यावेदन करता है तो वह इस प्राधिकरण के दस्ती या रजिस्ट्रीकृत डाक के माध्यम से.....को या इससे पूर्व आक्षेप/अभ्यावेदन अग्रेषित कर सकेगा और आवेदक को उपरोक्त वर्णित पते पर आक्षेप/अभ्यावेदन की एक प्रति भेजेगा।

आक्षेप/अभ्यावेदन प्रस्तुत करने वाला व्यक्ति निम्नलिखित विशिष्टियां देगा:-

- (1) नाम और पूरा पता।
- (2) दस्तावेज या साक्ष्य, यदि उपलब्ध हो, सहित आक्षेप/अभ्यावेदन के समर्थन में आधार/कारण।
- (3) क्या वह सुनवाई के समय स्वयं या प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से सुना जाना चाहता है।

सदस्य सचिव

प्ररूप-3

[नियम 19 (3) देखें]

भूगर्भ जल स्रोत के निष्कर्षण (निकालने) और उसके संवर्धन के लिए  
अनुज्ञापत्र का प्रपत्र

हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण शिमला

अनुज्ञापत्र संख्या .....

तारीख.....

हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण, शिमला, हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल (विकास और प्रबन्धन का विनियमन और नियन्त्रण) अधिनियम, 2005 (2005 का 31) की धारा 7 की

उप-धारा (3) के अधीन उसमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा श्री/ मैसर्स ..... को नए कुएं को खोदने/विद्यमान जल स्रोत के संवर्धन को ..... (स्रोत का ब्यौरा विनिर्दिष्ट करें) में ..... क्षेत्र में अवस्थित (अधिसूचित क्षेत्र का ब्यौरा विनिर्दिष्ट करें) नीचे दिए निबन्धनों और शर्तों के अधीन ..... के प्रयोजन (जल के उपयोग का प्रयोजन विनिर्दिष्ट करें) के लिए अनुज्ञापत्र प्रदान किया जाता है :

(क) .....

(ख) .....

(ग) .....

अनुज्ञापत्र धारक पूर्वोक्त स्रोत को दक्षतापूर्ण, समन्वित और मितव्ययी रीति में विकसित और अनुरक्षित रखने तथा हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल (विकास और प्रबन्धन का विनियमन और नियन्त्रण) अधिनियम, 2005 (2005 का 31) और तदधीन विरचित नियमों में अन्तर्विष्ट अन्य उपबन्धों, तथा इस प्राधिकरण द्वारा जारी या विनिर्दिष्ट अनुज्ञा-पत्र की शर्तों के अनुपालना के साथ-साथ जल का उपयोग उसी प्रयोजन के लिए करने, जिसके लिए अनुज्ञापत्र प्रदान किया गया है, के लिए कर्तव्य द्वारा आबद्ध होगा। हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण की मोहर (मुद्रा) के अधीन प्रदत्त ।

सदस्य सचिव ।

स्थान: .....

तारीख: .....

प्ररूप-4

(नियम 22 देखें)

भूगर्भ जल उपयोक्तार्यों के रजिस्ट्रीकरण के प्रमाण-पत्र को प्रदान करने हेतु आवेदन का प्रपत्र (घरेलू/सिंचाई)

सेवा में,

सदस्य सचिव,

हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण एवं अधीक्षण अभियन्ता (योजना एवं अन्वेषण इकाई-II) जल भवन, कसुम्पट्टी, शिमला-9.

महोदय,

मैं/हम, आपसे मेरे/हमारे भूगर्भ जल स्रोत को रजिस्टर करने तथा रजिस्ट्रीकरण का प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए निवेदन करता हूँ/करते हैं। अपेक्षित सूचना नीचे दी गई है:—

(1) आवेदक के ब्यौरे :

- (i) आवेदक नाम :
- (ii) पिता/पति का नाम :
- (iii) पत्राचार के लिए पता :
- (iv) दूरभाष संख्या (यदि कोई हो) :
- (v) फ़ैक्स संख्या (यदि कोई हो) :
- (vi) ई-मेल पता (यदि कोई हो) :

(2) भूगर्भ जल स्रोत के ब्यौरे :

- (क) अवस्थिति :
- (i) सम्पदा के नाम सहित सम्पदा की संख्या (हदबस्त) :
- (ii) खाता/खतौनी/खसरा संख्या :
- (iii) गांव/नगर/मोहल्ला/गली :
- (iv) तहसील :
- (v) जिला :
- (vi) क्या स्रोत ऐसे क्षेत्र में स्थित जिसे धारा 15 के अधीन अधिसूचित क्षेत्र घोषित किया गया है, यदि ऐसा है, तो ब्यौरे दें।
- (vii) स्वामित्व :
- (viii) क्या प्रस्ताव उथले/गहरे/ट्यूब वेल को खुदवाने से अन्तर्वलित है।
- (ix) प्रयोजन जिसके लिए जल का उपयोग किया जाना प्रस्तावित है।

मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि:—

(क) उपरोक्त दी गई सूचना मेरी/हमारी पूरी जानकारी के अनुसार सही है।

- (ख) मैंने/हमने हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल (विकास और प्रबन्धन का विनियमन और नियन्त्रण) अधिनियम, 2005 और तदधीन विरचित नियमों के उपबन्धों को पढ़ लिया है और उनका अनुपालन करने को वचनवद्ध हूँ/हैं।
- (ग) मैंने/हमने बैंक ड्राफ्ट/चैक नम्बर \_\_\_\_\_ तारीख \_\_\_\_\_ द्वारा जारी \_\_\_\_\_ के नाम पर \_\_\_\_\_ बैंक का \_\_\_\_\_ में देय या नकद में प्राप्ति संख्या \_\_\_\_\_ तारीख \_\_\_\_\_ द्वारा \_\_\_\_\_ रुपये की आवेदन फीस जमा कर दी है।
- (घ) मैं/हम हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल (विकास और प्रबन्धन का विनियमन और नियन्त्रण) अधिनियम, 2005 की धारा 7 के अधीन प्राधिकरण द्वारा प्रदान किए गए अनुज्ञापत्र के निबन्धनों और शर्तों के अनुसार सर्वथा भूगर्भ स्त्रोत के निष्पादन/संवर्धन/अनुरक्षण/उपयोग करने की जिम्मेदारी लेता हूँ/लेते हैं।
- (ङ) मैं/हम मेरे/हमारे जल स्त्रोत के लिए और इसके सहबद्ध कार्यों के लिए प्राधिकरण और इसके अधिकारियों/कर्मचारियों के पहुंच उपलब्ध करवाऊंगा/करवाएंगे।
- (च) मैं/हम प्राधिकरण और इसके अधिकारियों द्वारा समय-समय पर जारी प्रत्येक विधिपूर्ण निर्देशों/अनुदेशों का अनुपालन करूंगा/करेंगे।

आवेदक /  
प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के  
पूर्ण पते सहित हस्ताक्षर।

तारीख.....

स्थान.....

टिप्पण.— आवेदन प्ररूप के साथ निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न किए जाएंगे:—

1. आवेदक सदस्य सचिव, हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण के पक्ष में शिमला में देय मांगदेय ड्राफ्ट के रूप में, सदस्य सचिव, हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण एवं अधीक्षण अभियन्ता (योजना एवं अन्वेषण इकाई-II), जल भवन शिमला-9 को ट्यूब वेल के लिए पांच हजार रुपये और ऊर्जा चालित हैण्डपम्प के मामले में एक हजार रुपये की आवेदन फीस के साथ द्विप्रतिक में पूर्ण आवेदन प्रस्तुत करेगा।
2. भूमि, जिसमें स्त्रोत अवस्थित है की जमाबन्दी की प्रति।
3. तत्तीमा जिसमें जल स्त्रोत की सही अवस्थिति दर्शाई गई हो।
4. सही अवस्थिति और साथ लगते अलग से पहचान लिए जा सकने वाले विनिर्दिष्ट बिन्दुओं को दर्शित करती स्थल योजना (साइट प्लान)।

5. अनुमानित ऊर्जा क्षमता के साथ प्रतिस्थापित किए जाने वाले प्रस्तावित उपस्करणों की सूची।
6. जो लागू नहीं हैं उसे काट दें।

**प्ररूप-4-क**

**(नियम 22 देखें)**

**भूगर्भ जल (वाणिज्यिक/औद्योगिक उपयोक्ताओं) के उपयोग के लिए रजिस्ट्रीकरण के प्रमाण-पत्र को प्रदान करने के लिए आवेदन का प्रारूप**

सेवा में,

सदस्य सचिव,

हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण एवं अधीक्षण अभियन्ता (योजना एवं अन्वेषण इकाई-II) जल भवन, कसुम्पट्टी, शिमला-9.

महोदय,

मैं/हम, आपसे मेरे/हमारे भूगर्भ जल स्रोत को रजिस्टर करने और रजिस्ट्रीकरण का प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए निवेदन करता हूँ/करते हैं। अपेक्षित सूचना नीचे दी गई है:—

**(1) आवेदक के ब्यौरे :**

- |       |   |   |
|-------|---|---|
| (i)   | आवेदक नाम                               | : |
| (ii)  | पिता/पति का नाम                         | : |
| (iii) | पत्राचार के लिए पता                     | : |
| (iv)  | जहां आवेदक नियमित निकाय है, ब्यौरा दें। | : |

- |     |   |   |
|-----|---|---|
| (क) | क्या उपयोक्ता कम्पनी/फर्म/सहकारी सोसाइटी/अन्य है। | : |
| (ख) | क्या वह नियमित/रजिस्टर्ड है                       | : |
| (ग) | निगमन/रजिस्ट्रीकरण का स्थान।                      | : |
| (घ) | निगमन का वर्ष                                     | : |



- (ड) रजिस्ट्रीकरण संख्या :
- (च) निदेशक/भागीदारों/शासी निकाय सदस्यों/न्यासियों के नाम और पते। :

(2) भूगर्भ जल स्रोत के ब्यौरे :—

(क) अवस्थिति :

- (i) सम्पदा के नाम सहित सम्पदा की संख्या हदबस्त :
- (ii) खाता/खतौनी/खसरा संख्या :
- (iii) गांव/नगर/मोहल्ला/गली :
- (iv) तहसील :
- (v) जिला :
- (vi) क्या स्रोत ऐसे क्षेत्र में स्थित है जिसे धारा 5 के अधीन अधिसूचित क्षेत्र घोषित किया गया है, यदि ऐसा है, तो ब्यौरा दें। :

(ख) स्रोत के ब्यौरे :

- (i) क्या स्रोत बारहमासी या मौसमी है :
- (ii) भूगर्भ जल की प्रकृति :
- (iii) जल प्राप्यता की मात्रा :

(ग) यदि ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है तो क्षेत्र की ग्राम पंचायत का नाम। :

(घ) यदि शहरी क्षेत्र में स्थित है तो क्षेत्र की नगरपालिका का नाम। :

(ड) स्रोत के विद्यमान उपयोग का स्वरूप :—

(1) घरेलू (2) औद्योगिक (3) क्या उद्योग लघु/बड़ा है (4) वाणिज्यिक (5) सिंचाई

(3) स्वामित्व के ब्यौरे :—

क्या स्रोत प्राईवेट स्वामित्व के अन्तर्गत हैं, यदि ऐसा है, तो स्वामित्व के ब्यौरे। :

(4) क्षेत्र में भूगर्भ जल स्रोतों/संरचना का अन्तरालन

(क) आस-पास में विद्यमान भूगर्भ जल स्रोतों के ब्यौरे और अवस्थिति आकाशीय

दूरी के साथ

- (i) .....
- (ii) .....
- (iii) .....
- (iv) .....

(ख) क्या क्षेत्र में कोई उठाऊ जल आपूर्ति या ग्रेविटी जल आपूर्ति स्कीम कार्यन्वयन में है, यदि ऐसा है, तो उसके संक्षिप्त ब्यौरे दें।

**(5) जल संकर्मों के अन्य ब्यौरे :**

- (क) क्या भूगर्भ जल स्रोत का वैयक्तिक, सामूहिक या सामुदायिक आधार पर उपयोग किया जा रहा है।
- (ख) क्या भूगर्भ जल स्रोत या भूमि जिस पर स्रोत अवस्थित है, आवेदक के स्वामित्व के अन्तर्गत है।
- (ग) क्या स्रोत सहस्वामियों/भागीदारों के स्वामित्व में है तो सहस्वामियों/भागीदारों के हिस्सों का अनुपात दें।
- (घ) जल स्रोत के प्रवर्तन (कमीशनिंग) की तारीख

**(6) बेकार जल प्रबन्धन के ब्यौरे :**

**(7) कोई अन्य सूचना जो सुसंगत समझी जाए :**

मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि:—

- (क) उपरोक्त प्ररूप में दी गई सूचना मेरी जानकारी के अनुसार सही है।
- (ख) मैंने/हमने हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल (विकास और प्रबन्धन का विनियमन और नियन्त्रण) अधिनियम, 2005 और तदधीन विरचित नियमों के उपबन्धों को पढ़ लिया है और उनका अनुपालन करने को वचनबद्ध हूँ/हैं।
- (ग) मैंने/हमने बैंक ड्राफ्ट/चैक नम्बर .....तारीख.....द्वारा जारी सदस्य सचिव, भूगर्भ जल प्राधिकरण के नाम पर .....बैंक का ..... में देय या नकद में प्राप्ति संख्या..... तारीख .....द्वारा..... रुपये की आवेदन फीस जमा कर दी है।
- (घ) मैं/हम हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल (विकास और प्रबन्धन का विनियमन और नियन्त्रण) अधिनियम, 2005 की धारा 7 के अधीन प्राधिकरण द्वारा प्रदान किए

गए अनुज्ञापत्र के निबन्धनों और शर्तों के अनुसार सर्वथा भूगर्भ जल स्रोत के निष्पादन/संवर्धन/अनुरक्षण/ उपयोग करने की जिम्मेदारी लेता हूँ/लेते हैं।

- (ड) मैं/हम मेरे/हमारे जल स्रोत के लिए और इसके सहबद्ध कार्यों के लिए प्राधिकरण और इसके अधिकारियों/कर्मचारियों के पहुंच उपलब्ध करवाऊंगा/करवाएंगे।
- (च) मैं/हम प्राधिकरण और इसके अधिकारियों द्वारा समय-समय पर जारी प्रत्येक विधिपूर्ण निदेशों/अनुदेशों का अनुपालन करूंगा/करेंगे।

आवेदक/

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के  
पूर्ण पते सहित हस्ताक्षर।

तारीख.....

स्थान.....

**टिप्पण.—**आवेदन प्ररूप के साथ निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न किए जाएंगे.—

1. आवेदक सदस्य सचिव, हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण के पक्ष में शिमला में देय मांगदेय ड्राफ्ट के रूप में, सदस्य सचिव, हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण एवं अधीक्षण अभियन्ता (योजना एवं अन्वेषण इकाई-II), जल भवन शिमला-9 को दस हजार रुपये की आवेदन फीस के साथ द्विप्रतिक में पूर्ण आवेदन अवश्य प्रस्तुत करें।
2. भूमि, जिसमें स्रोत अवस्थित है की जमाबन्दी की प्रति।
3. तत्तीमा जिसमें जल-स्रोत की सही अवस्थिति दर्शाई गई हो।
4. सही अवस्थिति और साथ लगते अलग से पहचान लिए जा सकने वाले विनिर्दिष्ट बिन्दुओं को दर्शित करती स्थल योजना (साइट प्लान)।
5. भागीदार फर्म की दशा में, भागीदारी विलेख।
6. लिमिटेड कम्पनी की दशा में संगम के ज्ञापन और संगम के अनुच्छेद तथा निगमन का प्रमाण-पत्र।
7. अनुमानित ऊर्जा क्षमता के साथ प्रतिस्थापित किए जाने वाले उपस्करों की सूची।
8. प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के लिए संकल्प।
9. उद्योग विभाग/हिमाचल प्रदेश प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड से रजिस्ट्रीकरण।



10. भूगर्भ जल अपेक्षाओं से सुसंगत परियोजना रिपोर्ट का सार उद्योगों की दशा में।
11. भूमि या परिसम्पत्तियां, जो आवेदक ने जल निकालने के प्रयोजन के लिए अर्जित की जानी प्रस्तावित की हैं, को वर्णित करती हुई विवरणी और ऐसे अर्जन के साधन।

### प्ररूप-5

### [नियम-23 (i) देखें]

### प्रकाशन का प्रपत्र

### हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण शिमला

### सार्वजनिक सूचना

एतद्वारा समस्त हितबद्ध व्यक्तियों को सूचना दी जाती है कि श्री/मैसर्ज—(आवेदक का नाम और पता) ने —क्षेत्र (अधिसूचित क्षेत्र विनिर्दिष्ट करें) में—(जल स्रोत का नाम और अवस्थिति विनिर्दिष्ट करें) में प्राप्य भूगर्भ जल निकालने और उपयोग करने के लिए प्रमाण-पत्र प्रदान करने हेतु भूगर्भ जल प्राधिकरण को आवेदन किया है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए आवेदन/दस्तावेजों का आवेदक के कार्यालय /निवास पर या—(प्राधिकरण द्वारा अभिहित नाम, स्थान या कार्यालय, यदि कोई हो) कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है;

और इसकी प्रतियां आवेदक से प्राप्त की जा सकेंगी जिसकी कीमत एक रुपया प्रति पृष्ठ से अधिक नहीं होगी। कोई भी व्यक्ति जिसे उपरोक्त जल स्रोत के उपयोक्ता के रजिस्ट्रीकरण के प्रमाण-पत्र को प्रदान करने की बाबत कोई आक्षेप है या इस निमित्त अन्यथा अभ्यावेदन करता है तो वह इस प्राधिकरण को दस्ती या रजिस्ट्रीकृत डाक के माध्यम से —को या इससे पूर्व आक्षेप/अभ्यावेदन अग्रेषित कर सकेगा और आवेदक/मैसर्ज—को उपरोक्त वर्णित पते पर आक्षेप/अभ्यावेदन की प्रति की तामील होनी चाहिए।  
आक्षेप/अभ्यावेदन प्रस्तुत करने वाला व्यक्ति निम्नलिखित विशिष्टियां देगा:—

- (1) नाम और पूरा पता:

- (2) दस्तावेज या सास्य, यदि उपलब्ध हो, सहित आक्षेप/अभ्यावेदन के समर्थन में आधार/कारण।
- (3) क्या वह सुनवाई के समय स्वयं या प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से सुना जाना चाहता है।

सदस्य सचिव

प्ररूप- 6

[नियम 25 (2) देखें]

भूगर्भ जल स्रोत के रजिस्ट्रीकरण के प्रमाण-पत्र का प्रपत्र

हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण शिमला

प्रमाणित किया जाता है कि ..... नाम से ज्ञात

जिला ..... हिमाचल प्रदेश में अवस्थित भूगर्भ जल स्रोत श्री

सुपुत्र श्री ..... के स्वामित्वाधीन है और उससे निकाला गया जल

..... के प्रयोजन के लिए उपयोग में लाया जा रहा है जो इस प्राधिकरण के पास

..... वर्ष की रजिस्ट्रीकरण संख्या ..... द्वारा रजिस्ट्रीकृत है।

हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण की मोहर (मुद्रा) के अधीन प्रदत्त है।

सदस्य सचिव

तारीख .....

स्थान .....

## प्ररूप -7

## [नियम 26 (1) देखें]

## धारा 9 के अधीन ड्रिलिंग मशीनरी के रजिस्ट्रीकरण हेतु आवेदन का प्रपत्र

[आवेदक, सदस्य सचिव, हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण के पक्ष में शिमला में देय मांग देय ड्राफ्ट के रूप में, सदस्य सचिव, हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण एवं अधीक्षण अभियन्ता (योजना एवं अन्वेषण इकाई-II), जल भवन, कसुम्पट्टी, शिमला-9 को दस हजार रुपये की आवेदन फीस के साथ द्विप्रतिक में पूर्ण आवेदन अवश्य प्रस्तुत करें]।

सेवा में,

.....  
.....

महोदय,

मैं/हम आपसे निवेदन करते हैं कि हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल (विकास और प्रबन्धन का विनियमन और नियन्त्रण) अधिनियम, 2005 की धारा 9 के अधीन हिमाचल प्रदेश राज्य में ड्रिलिंग कार्यों के लिए मेरे/हमारे द्वारा लगाई मशीनरी को रजिस्टर किया जाए। अपेक्षित सूचना नीचे दी जा रही है:—

## (1) आवेदक के ब्यौरे :

(1) आवेदक/संगठन का नाम :

(2) पिता/पति/निदेशक/भागीदार/न्यासी का नाम :

(3) पत्राचार के लिए पता :

(4) जहां आवेदक निगमित निकाय है, ब्यौरे दें :

(क) क्या उपभोक्ता कम्पनी/फर्म/सहकारी :  
सोसाइटी/अन्य हैं।

(ख) क्या वह निगमित/रजिस्ट्रीकृत है

निगमन/रजिस्ट्रीकरण का स्थान :

निगम का वर्ष:

रजिस्ट्रीकरण संख्या:

फर्म, सहकारी सोसाइटी के रजिस्ट्रीकरण का स्थान:

- (ग) निदेशकों/भागीदारों/शासी निकाय/सदस्यों/  
न्यासियों के नाम और पते :
- (5) कार्य (कार्यन्वयन) क्षेत्र के ब्यौरे :
- (6) ड्रिलिंग कार्यों की प्रकृति :
- (7) उपयोग में भारी ड्रिलिंग मशीनरी के ब्यौरे:
- (8) उपयोग में अन्य मशीनरी और उपकरणों के ब्यौरे :
- (9) गत तीन वर्षों के दौरान किए गए ड्रिलिंग कार्यों के परिणाम/  
लक्ष्यों सहित ब्यौरे।
- (10) अन्य कोई सूचना जो सुसंगत समझी जाए।

मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि :—

- (क) उपरोक्त प्ररूप में दी गई सूचना मेरी जानकारी के अनुसार सही है।
- (ख) मैंने/हमने हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल (विकास और प्रबन्धन का विनियमन और नियन्त्रण) अधिनियम, 2005 और तदधीन विरचित नियमों के उपबन्धों को पढ़ लिया है और उनका अनुपालन करने के लिए वचनबद्ध हूँ/हैं।
- (ग) मैंने/हमने बैंक ड्राफ्ट/चैक नम्बर..... तारीख.....  
द्वारा जारी सदस्य सचिव (भूगर्भ जल प्राधिकरण) के पक्ष में.....  
बैंक का..... में देय या नकद प्राप्ति संख्या.....  
तारीख..... द्वारा ..... रुपये की आवेदन फीस  
जमा कर दी है।
- (घ) मैं/हम भूगर्भ जल ड्रिलिंग कार्यों को दक्षतापूर्ण, समन्वित और मितव्ययी  
रीति में करने को वचनबद्ध हूँ/हैं।
- (ङ) मैं/हम प्राधिकरण और इसके अधिकारियों द्वारा जारी प्रत्येक विधिपूर्ण  
निदेशों/ अनुदेशों का अनुपालन करूंगा/करेंगे।

आवेदक/प्राधिकृत  
हस्ताक्षरकर्ता के पूर्ण पते  
सहित हस्ताक्षर।

दिनांक-----

स्थान-----

**टिप्पण.**— आवेदन प्ररूप के साथ निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न किए जाएंगे :—

- (1) भागीदारी फर्म की दशा में, भागीदारी विलेख।
- (2) लिमिटेड कम्पनी की दशा में संगम के ज्ञापन और संगम के अनुच्छेद तथा निगमन का प्रमाण-पत्र।
- (3) उपयोग की जाने वाली मशीनरी और उपस्करों की सूची।
- (4) परिसम्पत्तियां जो आवेदक ने अर्जित की हैं, का वर्णन करती हुई विवरणी और राज्य में ड्रिलिंग कार्यों के प्रयोजन।

### प्ररूप-8

### [नियम 26 (4) देखें]

### ड्रिलिंग मशीनरी के रजिस्ट्रीकरण के प्रमाण-पत्र का प्रपत्र

हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण शिमला रजिस्ट्रीकरण संख्या..... तारीख.....

हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण, शिमला, हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल (विकास और प्रबन्धन का विनियमन और नियन्त्रण) अधिनियम, 2005 ( 2005 का अधिनियम संख्यांक 31) की धारा 9 के अधीन उसमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा मैसर्स ..... (नाम और पूरा पता) हिमाचल प्रदेश राज्य में प्रचालित रिंग ऑपरेटर/ ड्रिलिंग अभिकरण के रूप में और उसके द्वारा प्रयुक्त मशीनरी/उपस्कर की सूची को रजिस्टर करते हैं तथा यह ..... वर्ष के रजिस्ट्रीकरण संख्या..... द्वारा प्राधिकरण के पास रजिस्ट्रीकृत है।

हिमाचल प्रदेश भूगर्भ जल प्राधिकरण की मोहर (मुद्रा) के अधीन जारी (प्रदत्त)

सदस्य सचिव

तारीख .....

स्थान .....

## प्ररूप-9

## [नियम 35 (3) देखें ]

.....के समक्ष

(अपील प्राधिकारी का नाम)

अपील संख्या  
(कार्यालय द्वारा भरी जाएगी)

के मामले में :

(अपीलार्थी/आवेदक का नाम और पूरा पता और प्रतिवादियों के नाम और पूरा पता)

याचिका/उत्तर/आवेदन को सत्यापित करने वाला शपथ-पत्र

मैं....., सुपुत्र श्री....., आयु.....  
निवासी....., एतद्वारा सत्यानिष्ठा से प्रतिज्ञान और  
निम्नलिखित घोषणा करता हूँ:—मैं.....लिमिटेड का निदेशक/सचिव हूँ जो उपरोक्त  
मामले में याचिकाकर्ता/अपीलार्थी/प्रतिवादी है और उक्त याचिकाकर्ता/अपीलार्थी द्वारा  
उसके/उसकी और से यह शपथ-पत्र देने के लिए सम्यक् रूप से प्राधिकृत हूँ।टिप्पण.—यह पैरा उन मामलों में सम्मिलित किया जाना है जिनमें याचिकाकर्ता/  
अपीलार्थी/प्रतिवादी कम्पनी है।2. याचिका/आवेदन/उत्तर.....के पैरा.....  
में दिए गए कथन, जो मुझे अब दिखा दिए गए हैं, मेरी पूरी जानकारी के अनुसार सही हैं  
और.....पैरों में दिए गए कथन उस जानकारी (सूचना) के आधार पर है  
जो मेरे विश्वास के अनुसार सही है।

अभिसाक्षी

सत्यापन

मैं, उपरोक्त अभिसाक्षी एतद्वारा सत्यापित करता हूँ कि मेरे उपरोक्त शपथ-पत्र की विषय वस्तु मेरी पूरी जानकारी के अनुसार सही है और इसका कोई भी भाग मिथ्या नहीं है और इसमें कुछ भी नहीं छुपाया गया है।

.....के ..... दिवस को सत्यापित

अभिसाक्षी।

आदेश द्वारा,

हस्ता /—  
प्रधान सचिव।

*[Authoritative English text of this Department Notification No.IPH-B (A) 3-1/2005-I, dated 26-02-2007 as required under clause 3 of article 348 of the Constitution of India].*

## IRRIGATION & PUBLIC HEALTH DEPARTMENT

### NOTIFICATION

*Shimla-2, the 26th February, 2007*

**No. IPH-B (A)3-1/2005-I.**—Whereas, the draft Himachal Pradesh Ground Water (Regulation and Control of Development and Management) Rules, 2006 were published in the Rajpatra (Extra-ordinary) on 15-11-2006 *vide* Govt. Notification No. IPH-B(A)3-1/2005 dated 13<sup>th</sup> November, 2006 for inviting objections/suggestions from the persons likely to be affected thereby as required under section 25 of the Himachal Pradesh Ground Water (Regulation and Control of Development and Management) Act, 2005;

And whereas, no objection/suggestion has been received from any person within the specified period;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 25 of the Act *ibid*, the Governor, Himachal Pradesh, is please to make the following rules, namely:—

### CHAPTER-I

### PRELIMINARY

**1. Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Ground Water (Regulation and Control of Development and Management) Rules, 2007.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

**2. Definitions.**— (1) In these rules, unless the context otherwise requires.—

- (a) “Act” means the Himachal Pradesh Ground Water (Regulation and Control of Development and Management) Act, 2005 (Act No. 31 of 2005);
- (b) “Chairman” means the Chairman of the Authority;
- (c) “Form” means the form appended to these rules;
- (d) “fund” means the Himachal Pradesh Ground Water Authority Fund constituted under rule 9 of these rules;
- (e) “Member Secretary” means the Member Secretary of the Authority;
- (f) “permit” means the permit for extraction and use of ground water granted under section 7 of the Act;
- (g) “Schedule” means the Schedule appended to these rules; and
- (h) “section” means section of the Act.

(2) The words and expressions used in these rules but not defined shall have the same meanings respectively as assigned to them in the Act.

## CHAPTER—II

### CONDUCT OF BUSINESS, CONSTITUTION OF FUND, MAINTENANCE AND AUDIT OF ACCOUNTS OF THE AUTHORITY

**3. Office hours, business and sittings of the Authority.**—(1) The office of the Authority shall remain open on such working days and hours as are applicable to the offices of the State Government.

(2) Where the last day for any activity falls on the day on which the office of the Authority is closed, such activity may be done on the next working day on which the office is open.

(3) The Authority may hold meetings for considering the matters including disposal of applications/petitions at its office or at any other place on any day as may be declared by it from time to time.



**4. Language of the Authority.**—The proceedings of the Authority shall be conducted in English language.

**5. Functions of the Authority.**—The Authority shall be responsible for the implementation of the provisions of the Act and shall, under the supervision and control of the State Government perform such functions and discharge such duties as assigned to it under the provisions of the Act and these rules.

**6. Functions and duties of the Chairman of the Authority.**—(1) The Chairman shall :—

- (a) Chair the meetings of the Authority; and
- (b) Supervise, direct and control the working of the Authority.

(2) For exercise of the powers, performance of the functions and discharge of the duties of the Authority, the Chairman shall be assisted by the Member Secretary of the Authority.

**7. Powers, Functions and duties of the Member Secretary of the Authority.**— (1) The Member Secretary under the supervision and control of the Chairman shall exercise the following powers and perform the following duties, namely:—

- (a) he shall have custody of the records of the Authority;
- (b) he shall receive or cause to be received all applications, petitions, complaints or references pertaining to the Authority;
- (c) he shall scrutinize all documents, *interalia* applications, petitions, complaints or references and shall seek clarifications or rectifications upon the same;
- (d) he shall carry out such functions under these rules, as may be assigned to him by the Authority;
- (e) he shall place before the Authority, the details of the applications received, for further disposal by the Authority;
- (f) he shall issue notice for meetings, prepare the agenda of meetings and shall prepare the minutes of the meetings of the Authority; and
- (g) he shall be assisted by such person as may be specified by an order of the Chairman of the Authority.

**8. Travelling and other allowances for Chairman and Members of the Authority.**—(1) For attending meetings or any activity of the Authority, the ex-officio members including Chairman shall be paid travelling and other allowances in accordance with the provisions of the Travelling Allowances Rules as applicable to them in the case of Himachal Pradesh Government Servants and shall draw such allowances from their parent Department or Organisation.

(2) All other non official members of the Authority, other than those referred to in sub-rule (1) shall be paid a sitting fee of Rs.500/- per meeting and the travelling allowance and other allowances at the rate admissible to grade I offices of the State Government.

**9. Constitution of the fund.**—(1) The Authority shall in consultation with the State Government constitute a Fund to be called the Himachal Pradesh Ground Water Authority Fund.

(2) The fund shall comprise of :—

- (i) all fees, charges and penalties received by the Authority under the Act;
- (ii) Sums received on account of grants-in-aid from the State or Central Governments; and
- (iii) all sums received by the Authority from other sources.

**10. Application of the fund.**—The Fund shall be applied for meeting :—

- (a) the expenses of the Authority in discharge of its functions and duties under the Act and these rules;
- (b) the expenses on activities and purposes specified under the Act and these rules.

**11. Maintenance of accounts.**—(1) The Authority shall maintain proper accounts and other records as may be specified by the State Government.

(2) The Authority shall in the month of July each year cause to be prepared a statement of income and expenditure of preceding financial year ending 31<sup>st</sup> March and furnish a copy thereof to the State Government.

**12. Opening of bank account and its operation.**—(1) The Authority shall open an account in one or more Scheduled banks or in the State Co-operative Bank and all money received shall be deposited in the account of the Authority and the account shall be operated through cheque by the Member Secretary.

(2) The Authority shall make available the specimen signature of the Member Secretary to the bank for its information and records.

**13. Audit of Accounts.**—The accounts of the Authority shall be audited annually by the Examiner, Local Accounts Department, Himachal Pradesh.

### CHAPTER—III

## GENERAL RULES CONCERNING THE PROCEEDINGS OF THE AUTHORITY

**14. Proceedings of the Authority.**—(1) The Authority from time to time hold meetings for discussions, deliberations, investigations and consultations as it may consider appropriate in discharge of its functions under the Act and these rules.

(2) The Authority shall meet at least once in three months to dispose of its business.

**15. The processing of applications.**—(1) The applications received by the Authority during the normal working hours on a particular day shall be treated to have been received on that day.

(2) An incomplete/vague application or an application not found to be in conformity with the provisions of the Act and these rules shall be rejected.

(3) While processing the applications, the Member Secretary of the Authority, shall place before the Authority the applications that are complete in all respects for further disposal.

(4) The Member Secretary may upon scrutiny of the application, require the applicant to submit such additional information or particulars or documents as he may consider necessary for the purpose of further processing of the application.

(5) As far as practicable, the following time schedule shall be adhered to by the Authority for processing the applications received under these rules.—

<i>Sl. No.</i>	<i>Description /nature of application</i>	<i>Maximum processing time</i>
(a)	Grant of permit for the extraction and use of the ground water under section 7 of the Act;	Sixty days from the date of receipt of application.

<i>Sl. No.</i>	<i>Description /nature of application</i>	<i>Maximum processing time</i>
(b)	Grant of certificate of registration under section 8 of the Act for existing user;	Sixty days from the date of receipt of the application.
(c)	Registration of machinery of the rig owner/ drilling agency under section 9 of the Act;	Thirty days from the date of receipt of the application.
(d)	Alteration, amendment or variation of the terms and conditions of the permit or certificate of registration under section 10 of the Act.	Thirty days from the date of receipt of the application.

#### CHAPTER-IV

### APPLICATION FOR GRANT OF PERMIT FOR EXTRACTION OF GROUND WATER

**16. Application for permit for extraction and use of ground water.—** (1) Any user of ground water desirous of sinking new well in a notified area shall apply to the Authority for grant of permit to extract and use ground water, in Form-I for domestic/irrigation purposes and Form-I-A for commercial/industrial purpose, in triplicate and application shall be accompanied by documentary proof of having paid non-refundable fees as specified in rule 31, and other documents as specified in the note below the said forms.

(2) The applicant shall maintain at his residence or office, as the case may be, office and at such other place as may be designated by the Authority, the copies of the documents referred to in sub-rule (1) for public inspection and furnish to the persons applying for them the copies of such documents at a price not exceeding rupee 1/- per page.

**17. Publication of notice of application for permit.—** (1) If the Authority finds the application for grant of permit in the notified area is complete in all respects and is accompanied by the requisite information and documents, it shall publish notice of the application in Form-2 appended for inviting objections from the interested persons:—

(a) In case of commercial/industrial use, in two leading daily news papers and also display a copy thereof on the notice board of the Gram Panchayat or urban local authority having jurisdiction, as the case may be; and

(b) In case of irrigation, display a copy of the notice on the notice board of the local authority having jurisdiction.

(2) If no objections are received from any quarter by the due date given in the notice, the Authority shall proceed further for the grant or refusal of the permit in accordance with the provisions of the Act and under these rules.

**18. Hearing of objections for granting the permit.**—(1) The applicant shall furnish to the Authority no objection certificate, if any, required from any statutory body or the Central or the State Government.

(2) The Authority shall give a notice of inquiry or hearing of application to the applicant and/or to the local authority concerned, or the persons who had filed objections or such other body or persons, as the case may be, as the Authority may consider appropriate.

**19. Issuance of permit.**—(1) After inquiry and hearing of the application and keeping in view the provisions of sub-section (5) of section 7, the Authority shall decide the application and the Authority or the Officer authorized by it shall, within thirty days from the date of the decision, intimate its decision to the applicant.

(2) If the Authority decides to grant the permit, it may do so on such terms and conditions as may be specified by it keeping in view the provisions of section 7.

(3) After fulfilling the condition by the applicant subject to which the permit is offered under sub-rule (2) above, the Authority shall issue the permit in Form 3 appended to these rules to extract the water or augment the existing water source.

(4) The Authority shall immediately after issuance of the permit, forward a copy of the permit to the local body concerned and to such other person as the Authority may consider necessary.

**20. Date of commencement of permit.**—The permit shall commence from the date of the issuance of the permit.

**21. Duties and responsibilities of the permit holder.**—It shall be the duty of the permit holder to develop and maintain an efficient, coordinated and economical system of extraction of ground water and to use the water for the purpose for which the permit has been given. He shall ensure that all other provisions contained in the Act, and these rules and the conditions imposed, if any, in the permit issued are not violated.

**CHAPTER-V****REGISTRATION OF EXISTING USERS OF GROUND WATER SOURCES****22. Application for registration of existing ground water user.—(1)**

Application for registration and issuance of certificate of registration under section 8 to an existing user of the ground water source, shall be made to the Authority in Form 4 for domestic/industrial purpose and Form 4-A for commercial/industrial purpose, in triplicate, and it shall be accompanied by documentary proof of having paid non-refundable fees as specified in rule 31 and other documents as specified in the note below the said Forms.

(2) The applicant shall maintain at his residence or office, as the case may be, and at other place as may be designated by the Authority, the copies of the documents referred to in the sub-rule (1) for public inspection and furnish to the persons applying for them the copies of such documents at a price not exceeding rupee 1/- per page.

**23. Publication of notice of application for registration of existing ground water user.—(1)** If the Authority finds the application for registration in the notified area complete in all respects and accompanied by the requisite information and documents, it shall publish notice of the application in Form 5 for inviting objections from the interested persons:—

- (a) In case of commercial/industrial use, in two leading daily news papers and also display a copy thereof on the notice board of the Gram Panchayat or urban local authority having jurisdiction, as the case may be; and
- (b) In case of irrigation, display a copy thereof on the notice board of the local authority having jurisdiction.

(2) If no objections are received from any quarter by due date given in the notice, the Authority shall proceed further for the issuance of certificate of registration in accordance with the provisions of the Act and these rules.

**24. Hearing of objections for granting the certificate of registration.—(1)** If the Authority has duly published the notice of the application in the newspaper or otherwise and the time for filing of the objections is over and after the applicant has furnished to the Authority no objection certificate, if any, required from any statutory body or the Central or the State Government it shall proceed further with the hearing of the application.

(2) The Authority shall give the notice of inquiry or hearing to the applicant and/or to the local body concerned, the persons who had filed objections and such other body or persons as the Authority may consider appropriate.

**25. Issuance of certificate of registration.**—(1) After inquiring and hearing and having taken stock of the provisions contained in sub-section (4) of section 8 of the Act, the Authority shall decide, within sixty days from the date of the receipt of the application for granting or refusing the issuance of certificate of registration and the Authority or the Officer authorized by it shall, within thirty days from the date of the decision, intimate its decision to the applicant.

(2) If the Authority decides to grant the certificate of registration, it may do so on such terms and conditions as may be specified by it and the Authority shall issue certificate of registration in Form 6.

(3) The Authority shall immediately after issuance of certificate of registration, forward a copy of the certificate to the local authority concerned and to such other person as the Authority may consider necessary.

## CHAPTER -VI

### REGISTRATION OF DRILLING MACHINERY

**26. Application for registration of drilling machinery.**—(1) Every rig-owner or the drilling agency operating in the State shall apply to the Authority for registration of his machinery, in the Form 7 appended to these rules and accompanied by documentary proof of having paid non-refundable fees as specified in the rule 31.

(2) Every application, under sub-rule (1), for registration under section 9 alongwith the supporting documents shall be signed by the applicant (in case of individual) or by an authorized signatory (in case of body corporate) and addressed to Member Secretary of the Authority and shall be accompanied by three copies or such number of copies of proforma as the Authority may direct.

(3) On receipt of the application, the Member Secretary shall note the date of its receipt and shall send to the applicant an acknowledgement of its receipt.

(4) If the Authority finds the application complete alongwith requisite information, particulars and documents and after having satisfying itself that the applicant has complied with all the requirements for making the application, the Authority or the Member Secretary shall register the machinery/equipment and issue the certificate of registration in Form 8.

**CHAPTER-VII****INVESTIGATIONS, INQUIRY, SURVEY, COLLECTION OF INFORMATION**

**27. Collection of data on ground water resources.**—(1) Where it is necessary or expedient in the public interest to assess the availability of ground water in any area and to obtain any data on ground water related infrastructure, including diameter or depth of well, which is being or has been sunk; the level at which water is or was struck and subsequently restored/rested, the types of strata encountered in the sinking of well and the quality and quantity of water struck and optimum use of extracted water, the Authority may, at any time, take assistance of any institution, consultants, experts, engineers, surveyors and such other technical and professional persons, as it may consider necessary, and ask them to study, investigate or enquire into any matter or issue and submit report or reports or furnish any information and the Authority may determine the terms and conditions for engagement of such professionals.

(2) Without prejudice to the generality of powers, the Authority may, regarding the collection of information relating to ground water and for the purpose of conducting an inquiry and investigation in this regard:—

- (a) at any time direct any one or more officers or consultants or any other person, as the Authority may consider appropriate, to study, investigate or furnish information with respect to any matter within the purview of the Authority;
- (b) for mil purpose give such other directions as it may deem fit and further direct the time within which the report is to be submitted for information is to be furnished;
- (c) for the purposes of collecting information, particulars (including diameter or depth of the well, type of strata encountered in drilling operations of the well and the quality and quantity of water extracted therefrom) or documents which the Authority considers necessary in connection with the discharge of its functions, issue such directions and follow any one or more of the methods provided for in the Act as the Authority may consider it to be appropriate;
- (d) if any such report or information obtained as specified in the Act or in this rule appears to be insufficient or inadequate, the Authority or the Member Secretary so authorized by it may give directions for further inquiry, report and furnishing of information;
- (e) direct that such incidental, consequential and supplemental matters which may be considered relevant in connection with the above, be attended to; and



- (f) require, in writing, the person sinking a well to keep and preserve the specimen of soil and material excavated therefrom for a period not exceeding three months from the date of completion or abandonment of the sinking/drilling of a well and to produce it for examination to the Authority or Member Secretary authorized by it.

(3) if the report or information sought under these rules or any part thereof is proposed to be relied upon by the Authority in forming its opinion or view in any proceeding, the parties in the proceedings shall be given a reasonable opportunity for filing objections and making submissions on the report or information.

## CHAPTER—VIII

### RAIN WATER HARVESTING, CONSERVATION, GROUND WATER RECHARGE AND WASTE WATER MANAGEMENT

**28. Rain water harvesting publicity programme.**— The Authority, with a view to implementing the provisions of the Act, may:—

- (a) Issue guidelines for adoption of rain water harvesting for ground water recharge;
- (b) suggest suitable measures to be followed, both in rural and urban areas, by the inhabitants at hill tops, spurs and on river/stream banks;
- (c) prepare schemes for ground water management in rural and urban areas;
- (d) undertake Information, Education and Communication activities including workshops, seminars, public discourses, debates, radio and television programs to promote rain water harvesting ; and
- (e) encourage construction of community rain water storage or percolation tanks, ponds, check dams or recharge shafts in catchment areas.

**29. Power to issue directions.**—(1) The Authority, may issue directions to the local authorities and the Government Departments to include in their developmental schemes/plans, the provision of rain water harvesting for ground water recharge in the notified areas :

Provided that in urban areas within the notified area no directions issued under these rules shall be applicable for construction of rain water harvesting structures.—

- (a) in residential or commercial premises having plinth area of less than 100 square meters; or
- (b) in the sinking zones, where construction of rain water harvesting structures would be detrimental to the safety of the building structures in the area.

## CHAPTER-IX

### ROYALTY FOR EXTRACTION AND USE OF GROUND WATER

**30. Levy and collection of royalty.**—(1) Unless otherwise directed by the State Government, every person whosoever extracts the ground water within the notified area for commercial, industrial or irrigation purposes shall pay annually the royalty at the rate of rupee 1/- per ten thousand liters to the Authority :

Provided that a user of ground water who irrigates less than one hectare of land, whether owned or leased or both shall be exempted from the payment of royalty.

(2) One-fourth of the amount of royalty so collected shall be remitted to the State Government by the Authority and the remainder three-fourth shall be retained by the authority for further distribution to those Panchayati Raj Institutions/local bodies, from whose jurisdiction the royalty has been collected, for the development of ground water resources.

## CHAPTER - X

### FEES AND FINES

**31. Fees on applications.**—(1) Every application for grant of permit under section 7 or for grant of registration certificate under section 8 or for registration of the rig operator and drilling agency and the machinery or equipment deployed by them under section 9 or for making alteration, amendment and variation in the permit or certificate of registration under section 10 in accordance with the terms and conditions of such permit or certificate, as the case may be, shall be made on payment of appropriate fee as specified in the Schedule.

(2) The fees payable under these rules shall be paid by means of a demand draft or pay order, drawn in favour of the Authority payable at Shimla.

(3) The fees received by the Authority under these rules shall be deposited in a schedule bank under rule 12 of these Rules.

**32. Compounding of Offences.**—Where any offence under the Act has been committed such an offence may at any time before or after the institution of proceedings be compounded by the Authority, or any other officer authorized by the State Government, after accepting by way of compensation thereof a sum of money which shall not exceed one half of the maximum limit of the fine which could be imposed therefor :

Provided that while determining the compensation or extent of the fines and/or composition fee, the Authority shall consider, amongst other relevant things, the following.—

- (a) the nature and extent of non-compliance or contravention;
- (b) the amount of wrongful gain or unfair advantage derived as a result of the non-compliance or contravention;
- (c) the amount of loss or degree of harassment caused to any person(s) as a result of non-compliance or contravention; and
- (d) the repetitive nature of the non-compliance or contravention.

**33 . Fines and compounding fees.**—The fines charged and compounding fees levied by the Authority shall be payable and the amount shall be deposited in the same manner as specified in rule 31.

**34. Recovery of fines and costs.**—The costs, penalty, charges recoverable under proviso to clause (f) of sub section (1) of section 13 or proviso to section 14 or sub-section (3) of section 15 and compounding fee under section 22, if not paid, shall be recoverable as arrears of land revenue.

## CHAPTER—XI

### APPEALS

**35. Appeals to State Government.**—(1) Any person aggrieved by an order made by the Authority, may prefer an appeal to the Principal Secretary (Irrigation and Public Health Department) to the Government of Himachal Pradesh under section 24 of the Act.

(2) The appeal shall be filed on payment of rupees two hundred in the manner as specified in sub-rule (2) of rule 31 of these rules.

(3) The appeal to the State Government filed under section 24 of the Act shall be duly verified and supported by an affidavit in Form 9 and shall be accompanied by:—

- (a) a copy of the order appealed against; and
- (b) a photocopy of receipt of payment of fee.

## SCHEDULE

### FEE STRUCTURE

( See rules 16, 22, 26 and 31)

<i>Sl. No.</i>	<i>Nature of application</i>	<i>Statutory provisions</i>	<i>Non-Refundable Fees( in Rs.)</i>
1.	Application for grant of permit	Section 7 and rule 16	<p>(a) in case of tube well Rs. 5,000/-</p> <p>(b) in case of hand pump energized. Rs. 1,000/-</p> <p>(c) in case of Commercial/Industrial users Rs.10,000/-</p>
2.	Application for issuance of registration certificate to the existing ground water user.	Section 8 and rule 22	<p>(a) in case of tube well Rs. 5,000/-</p> <p>(b) in case of hand pump energized. Rs. 1000/-</p> <p>(c) in case of commercial/ industrial uses Rs.10,000/-</p>
3.	Application for registration of the machinery and equipment of the rig owners and drilling agencies.	Section 9 and rule 26	Rs.10, 000/-
4.	Application for alteration, amendment or variation of the terms of permit or certificate of registration.	Section 10	Rs.500/-
5.	Any other application not covered under item (1), (2),(3) & (4) above.	—	Rs.100/-

**FORM-1**

(See rule 16)

**FORM OF APPLICATION FOR GRANT OF PERMIT FOR SINKING OF  
WELL AND USE OF GROUND WATER  
(DOMESTIC/ IRRIGATION)**

To

The Member Secretary,  
Himachal Pradesh Ground Water Authority-cum-  
Superintending Engineer (Planning & Investigation unit -II)  
Jal Bhawan, Kasumpatti, Shimla-9.

Sir,

I/we request you to grant me/us permit for sinking of well/augmentation of existing well and the use of ground water. The requisite information is furnished below:—

**(1) Details of applicant:—**

- (i) Name of the applicant
- (ii) Name of father/husband
- (iii) Address for correspondence
- (iv) Phone No. (If any)
- (v) Fax No. (If any)
- (vi) E-mail address (If any)

**(2) Details of ground water source :—**

**Location :**

- (i) No. of Estate (Hadbast) with name of Estate
- (ii) Khata/ Khatoni/ Khasra No.
- (iii) Village/Town/Mohalla/ Street
- (iv) Tehsil
- (v) District
- (vi) Whether the source is located in an area declared as notified under section 5, if so, give details.
- (vii) Ownership
- (viii) Whether the proposal involves sinking of shallow/ deep/tube well:
- (ix) Purpose for which water is proposed to be used :

I/we hereby declare that :

- (a) the information provided above is true to the best my/our knowledge.

(b) I/we have read the provisions of Himachal Pradesh Ground Water (Regulation and Control of Development and Management) Act, 2005 and the rules framed thereunder and do undertake to comply with them.

(c) I/ we have deposited the application fee of Rs..... through bank draft/cheque No.,..... dated ..... issued by..... in the name of .....bank, payable at ..... or in cash vide receipt No..... dated.....

(b) I /we shall own responsibility to execute/augment/maintain/use the ground water source strictly in accordance with the terms/conditions of the permit granted by the Authority under section 7 of the Himachal Pradesh Water (Regulation Control of Development and Management ) Act, 2005.

(d) I /we shall provide access to the Authority and its officers and servants to my/our water source and its allied works.

(e) I/we shall comply with every lawful directions/instructions issued by the Authority and its officers from time to time.

Signature of the applicant /authorized signatory  
with complete Address.

Date .....

Place.....

**Note:—** The following documents shall be attached with the application form:—

1. The applicant must submit complete application in duplicate to the Member Secretary Himachal Pradesh Ground Water Authority-cum-Superintending Engineer (Planning & Investigation unit-II), Jal Bhawan, Shimla-9 along with application fee of Rs.5000/- for Tubewell and Rs.1000/- in case of energized handpump in the shape of a Demand Draft drawn in favour of Member Secretary, Himachal Pradesh Ground Water Authority payable at Shimla.

2. Copy of Jamabandi of the land in which the source is located.

3. Tatima indicating therein the exact location of the water source.

4. Site plan indicating there in the exact location and adjoining identifiable specific points.

5. List of equipments proposed to be installed with expected power load.

6. Strike off whichever is not applicable.

**FORM 1-A**

(See rule 16)

**FORM OF APPLICATION FOR GRANT OF PERMIT FOR SINKING OF WELL  
AND USE OF GROUND WATER (COMMERCIAL/ INDUSTRIAL USERS)**

To

The Member Secretary,  
Himachal Pradesh Ground Water Authority-cum-  
Superintending Engineer (Planning & Investigation unit -II)  
Jal Bhawan, Kasumpatti, Shimla-9.

Sir,

I/we request you to grant me /us permit for sinking of well/augmentation of existing well and the use of ground water. The requisite information is furnished below.—

**(1) Details of applicant :**

- (i) Name of the applicant
- (ii) Name of father /husband
- (iii) Address for correspondence
- (iv) Where applicant is a corporate body, give details.—

- (a) company /firm /co-operative society/ other
- (b) when and where company incorporated/registered  
Place of incorporation/registration

Year of incorporation

Registration No.

- (c) Place of registration of the firm, co-operative society  
Names and address of the Director/ partners/ Governing body members/  
trustees :

**(2) Details of ground water source :—**

- (a) Location :

- (i) No. of Estate (Hadbast) with name of Estate:

- (ii) Khata / Khatoni/ Khasra No.:
- (iii) Village/Town/Mohalla/ Street:
- (iv) Tehsil:
- (v) District:
- (vi) Whether the source is located in an area declared as notified under section 5, if so, give details :

(b) Source details :

- (i) whether source is perennial or seasonal :
- (ii) quality of ground water :
- (iii) quantum of water availability :
- (c) If located in a rural area the name of the Gram Panchayat of the area :
- (d) If located in an urban area the name of the municipality of the area :
- (e) nature of existing use of source:—
  - (i) Domestic, (ii) industrial, (iii) whether industry is small/large, (iv) commercial, (v) irrigation.

(3) **Details of Ownership :**

Whether the source is under the private ownership, if so, details of the ownership :

(4) **Purpose of sinking well or/augmentation of ground water source :**

- (i) Purpose for which water is proposed to be extracted or used :
- (ii) Details of prospective users :
- (iii) Quantum of water proposed to be extracted :
- (iv) In case of mismatch between quantum of availability of water and its use, the details of availability of balance water to the beneficiaries :
- (v) Whether certificate of registration has been obtained from the Director of Industries (if yes, a copy should be furnished) :



**(5) Details of the Works to be executed/maintained :**

- (i) Details of works :
- (ii) Approximate cost/expenditure to be incurred :
- (iii) Whether the works are to be executed/maintained individually or collectively on co-operative or/on community basis :
  - (a) Where works are to be executed/maintained collectively, supply the details of the participants and their shares :
  - (b) Where the source or the land over which source is located is not under the ownership of the applicant, the mode of acquisition of such source/land :
- (iv) Whether the consent of other existing competitive users of the source has been obtained, if so, give details :
- (v) Date of commencement of the work :
- (vi) Date by which the work is to be completed :

**(6) Waste water management arrangements:**

**(7) Any other information which may be considered relevant or the applicant wishes to be included in the permit to be granted :**

I/we hereby declare that:

- (a) the information provided in the form above is true to my knowledge.
- (b) I/we have read the Himachal Pradesh Ground Water (Regulation and Control of Development and Management) Act, 2005 and rules framed thereunder and do undertake to comply with them.
- (c) I/ we have deposited the application fee of Rs..... through bank draft/cheque No..... dated .....drawn in favour of Member Secretary, Ground Water Authority, payable at..... or in cash vide receipt No..... dated.....
- (d) I /we shall own responsibility to execute/augment/maintain/use the ground water source strictly in accordance with the terms and conditions of the permit to be granted by the Authority under section 7 of the Himachal Pradesh Water (Regulation Control of Development and Management) Act, 2005.

- (e) I/we shall provide access to the Authority and its officers and servants to my/our water source and its associate works.
- (f) I/we shall comply with every lawful direction/instruction issued by the Authority and its officers from time to time.

Signature of the applicant /authorized/signatory  
With Complete Address.

Date.....

Place.....

*Note.*— The following documents shall be attached with the application form.—

1. The applicant must submit complete application in duplicate to the Member Secretary Himachal Pradesh Ground Water Authority-cum-Superintending Engineer (Planning & Investigation unit-II), Jal Bhawan, Shimla-9 alongwith application fees of Rs.Ten Thousand in the form of a Demand Draft drawn in favour of the Member Secretary, Himachal Pradesh Ground Water Authority payable at Shimla.

2. Copy of Jamabandi of the land in which the source is located.

3. Tatima indicating therein the exact location of the water source.

4. Site plan indicating there in the exact location and adjoining identifiable specific points.

5. Licence/No Objection Certificate from statutory Authority, if required, or declaration by the applicant that the proposed sinking /drilling of the well or augmentation of the water source does not fall under the requirements of No Objection Certificate under any other statute.

6. In case of partnership firm, partnership deed.

7. In case of limited company Memorandum and Articles of Association and certificate of incorporation.

8. List of equipments proposed to be installed with expected power load.

9. Resolution for authorized signatory.

10. Registration from Industries Department/Himachal Pradesh Pollution Control Board.

1. Extract of the project report relevant to ground water requirements (in case of industries) .

12. Where Water Survey/Study have been conducted, the report of such Survey/Study.

13. Statement describing lands or assets which the applicant proposes to acquire for the purpose of extraction of water and means of such acquisition.

14. *Strike off whichever is not applicable.*

## FORM 2

[See rule 17(1)]

### PROFORMA OF PUBLICATION THE HIMACHAL PRADESH GROUND WATER AUTHORITY SHIMLA

#### PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to all the interested persons that Sh/Messers .....  
(Name and Address of the Applicant) has/have applied to the Himachal Pradesh Ground  
Water Authority for the grant of permit to extract and use of ground water available  
in.....(specify the name, location of the water source) in the area.....  
(specify the notified area).The application and other documents filed by the applicant can be  
inspected at the office/residence of the applicant or in the office .....  
(name place or office if any  
designated by the Authority)

And copies of the same will be available from the applicant for a price not  
exceeding rupee 1/- per page.

Any person having any objection or otherwise making representation with regard  
to the grant of the permit may forward the objection/representation to this Authority on or  
before..... by hand or through a registered post and shall send a copy of the  
objection/representation to the applicant at the address mentioned above.

The person filing the objection/representation should give the following  
particulars:—

(1) Name and full address.

(2) grounds/reasons in support of the objection/representation together with document or evidence, if available.

(3) Whether he wishes to be heard in person or through authorized representative at the time of hearing.

*Member Secretary .*

### FORM 3

[See rule 19 (3)]

## PROFORMA OF PERMIT FOR EXTRACTION AND AUGMENTATION OF THE GROUND WATER SOURCE

### THE HIMACHAL PRADESH GROUND WATER AUTHORITY SHIMLA

Permit No.

Dated.....

The Himachal Pradesh Ground Water Authority, Shimla exercising the powers vested in it under sub-section (3) of section 7 of The Himachal Pradesh Ground Water (Regulation and Control of Development and Management ) Act, 2005 (Act No. 31 of 2005) hereby grants a permit to Sh./ M/s..... to sink new well/augment the existing water source at.....(specify the details of the source) located in the area..... (specify the details of notified area) for the purpose.....(specify the purpose of use of water) subject to terms and conditions given hereunder.—

(a) .....

(b) .....

(c) .....

The permit holder shall be duty bound to develop and maintain the aforementioned source in an efficient, co-ordinated and economical manner and to use the water for the purpose for which permit has been given as well as all other provisions contained in the Himachal Pradesh Ground Water (Regulation and Control of Development and Management) Act, 2005 (Act No. 31 of 2005) and the rules framed thereunder; and the conditions of the permit issued or specified by this Authority.

Given under the seal of the Himachal Pradesh Ground Water Authority.

*Member Secretary.*

Place.....

Date.....

**FORM 4**

(See rule 22)

**PROFORMA OF APPLICATION FOR GRANT OF CERTIFICATE OF  
REGISTRATION OF GROUND WATER USERS  
(DOMESTIC/IRRIGATION)**

To

The Member Secretary,  
Himachal Pradesh Ground Water Authority-cum-  
Superintending Engineer (Planning & Investigation unit -II)  
Jal Bhawan, Kasumpatti, Shimla-9.

Sir,

I/we request you to register my/our ground water source and issue the certificate of registration. The requisite information is furnished below.—

**1. Details of the applicant :**

- (i) Name of the applicant :
- (ii) Name of father /husband :
- (iii) Address for correspondence :
- (iv) Phone No. (If any) :
- (v) Fax No. (If any) :
- (vi) E-mail Address (If any) :

**2. Details of Ground Water Source :**

- (a) Location :
  - (i) No. of Estate (Hadbast) with name of Estate
  - (ii) Khata / Khatoni/ Khasra No.
  - (iii) Village/Town/Mohalla/ Street
  - (iv) Tehsil
  - (v) District
  - (vi) Whether the source is located in an area declared as notified under section 5, if so, give details :

- (vii) Ownership
- (viii) Whether the proposal involves sinking of shallow/deep/ tube well
- (ix) Purpose for which water is proposed to be used.

I/we hereby declare that.—

- (a) the information provided in the form above is true to my Knowledge.
- (b) I/we have read the Himachal Pradesh Ground Water (Regulation and Control of Development and Management) Act, 2005 and rules framed thereunder and do under take to comply with them.
- (c) I/we have deposited the registration fee of Rs..... Through bank draft/cheque No..... dated..... issued by/in the name of.....bank payable at.....or in cash vide receipt No..... dated.....
- (d) I/we will own responsibility to execute/augment/maintain/use the ground water source strictly in accordance with the terms/conditions of the permit to be granted by the Authority under section 7 of the Himachal Pradesh Ground Water (Regulation Control of Development and Management) Act, 2005.
- (e) I/we will provide access to the Authority and its Officers and servants to my/our water source and its associate works.
- (f) I/we will comply with every lawful direction/instruction issued by the Authority and its officers,

Signature of the applicant/authorized Signatory  
With Complete Address.

Date .....

Place.....

**Note.—** The following documents shall be attached with the application form the source is located.

1. The applicant must submit complete application in duplicate to the Member Secretary Himachal Pradesh Ground Water Authority-cum-Superintending Engineer (Planning & Investigation unit-II), Jal Bhawan, Shimla-9 alongwith application fee of Rs. Five Thousand for Tubewell & Rs. One Thousnad in case of energized handpump in the shape of a Demand Draft drawn in favour of Member Secretary Himachal Pradesh Ground Water Authority payable at Shimla.

2. Copy of Jamabandi of the land in which the water source.
3. Tatima indicating therein the exact location of the water source.
4. Site plan indicating the exact location and adjoining identifiable specific points.
5. List of equipments installed with power load.
6. Strike off whichever is not applicable.

### FORM 4-A

(See rule 22)

## FORM OF APPLICATION FOR GRANT OF CERTIFICATE OF REGISTRATION FOR USE OF GROUND WATER (COMMERCIAL/INDUSTRIAL USERS)

To

The Member Secretary,  
Himachal Pradesh Ground Water Authority-cum-  
Superintending Engineer (Planning & Investigation unit -II)  
Jal Bhawan, Kasumpatti, Shimla-9.

Sir,

I/we request you to register my/our ground water source and issue certificate of registration. The requisite information is furnished below.—

### (1) Details of applicant :

- (i) Name of the applicant :
- (ii) Name of father /husband:
- (iii) Address for correspondence:
- (iv) Where applicant is a corporate body, give details:
  - (a) Whether the user is a company /firm /co-operative society/ other:
  - (b) Whether the same is incorporated/ registered:
  - (c) Place of incorporation/registration:
  - (d) Year of incorporation:
  - (e) Registration No.:
  - (f) Names and address of the Director/partners/Governing body members/trustees :

**(2) Details of ground water source.—****(a) Location :**

- (i) No. of Estate (Hadbast) with name of Estate:
- (ii) Khata / Khatoni/ Khasra No.:
- (iii) Village/Town/Mohalla/ Street:
- (iv) Tehsil:
- (v) District:
- (vi) Whether the source is located in an area declared as notified under section 5, if so, give details :

**(b) Source details :**

- (i) Whether source is perennial or seasonal:
- (ii) quality of ground water:
- (iii) Quantum of water availability:
- (c) if located in a rural area the name of the Gram Panchayat of the area:
- (d) If located in an urban area the name of the municipality of the area:
- (e) nature of existing use of source:—
- (i) Domestic, (ii) industrial, (iii) whether industry is small/large, (iv) commercial, (v) irrigation.

**(3) Details of Ownership—Whether the source is under the private ownership if so, details of the ownership:****(4) Spacing of ground water sources/structure in the area :****(a) Details and location of the existing ground water sources in the vicinity (with aerial distances) :**

(i) .....

(ii) .....

(iii) .....

(iv) .....

**(b) Whether any lift water supply or gravity water supply scheme is in operation in the area, if so, give brief details thereof.**



**(5) Other details of water works :**

- (a) Whether the ground water source is being used individually, collectively or on community basis.
- (b) Whether ground water source or the land over which source is located is under the ownership of the applicant.
- (c) Whether the source is owned by the co-owners/partners give the proportions of the shares of the co-owners /partners.
- (d) Date of commissioning of the water source.

**(6) Details of waste water management :**

**(7) Any other information which may be considered relevant :**

I/we hereby declare that :

- (a) the information provided in the form above is true to my knowledge.
- (b) I/we have read the Himachal Pradesh Ground Water (Regulation and Control of Development and Management) Act, 2005 and rules framed thereunder and do undertake to comply with them.
- (c) I/we have deposited the application fee of Rs..... through bank draft/cheque No..... dated ..... drawn in favour of Member Secretary, Ground Water Authority payable at..... or in cash vide receipt No..... dated.....
- (d) I/we shall own responsibility to execute/augment/maintain/use the ground water source strictly in accordance with the terms/conditions of the permit to be granted by the Authority under section 7 of the Himachal Pradesh Water (Regulation & Control of Development and Management ) Act, 2005.
- (e) I /we shall provide access to the Authority and its officers and servants to my/our water source and its associate works.
- (f) I/we shall comply with every lawful direction/instruction issued by the Authority and its officers from time to time.

Signature of the applicant /authorized signatory  
With Complete Address.

Date.....

Place.....

*Note.*— The following documents shall be attached with the application form.—

1. The applicant must submit complete application in duplicate to the Member Secretary Himachal Pradesh Ground Water Authority-cum-Superintending Engineer (Planning & Investigation unit-II), Jal Bhawan, Shimla-9 alongwith application fees of Rs.Ten Thousand in the form of a Demand Draft drawn in favour of the Member Secretary Himachal Pradesh Ground Water Authority payable at Shimla.
2. Copy of Jamabandi of the land in which the source is located.
3. Tatima indicating therein the exact location of the water source.
4. Site plan indicating there in the exact location and adjoining identifiable specific points.
5. In case of partnership firm, partnership deed.
6. In case of limited company Memorandum and Articles of Association and certificate of incorporation.
7. List of equipments proposed to be installed with expected power load.
8. Resolution for authorized signatory.
9. Registration from Industries Department/HP Pollution Control Board.
10. Extra Act of the project report relevant to ground water requirements (in case of industries).
11. Statement describing lands or assets which the applicant proposes to acquire for the purpose of extraction of water and means of such acquisition.

### FORM 5

[See rule 23(1)]

## PROFORMA OF PUBLICATION THE HIMACHAL PRADESH GROUND WATER AUTHORITY SHIMLA

### PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to all the interested persons that Sh/ M/s..... (Name and address of the applicant) has/have applied to the Himachal Pradesh Ground Water Authority for grant of Certificate of registration of user of ground water available in .....(specify the name and location of the water source).....in the area .....(specify the notified area) .

The application and other documents filed by the applicant can be inspected at the office of the applicant on/are at .....  
(Name, place or office, if any designated by the Authority).

And copies of same will be available from the applicant for a price not exceeding rupee 1/- per page.

Any person having objections or otherwise making representation with regard to the grant of the certificate of registration of the user of the aforesaid water source, may forward the objections /representation with this Authority on or before....., by hand delivery or registered post and should serve a copy of the objection/representation on the M/S/applicant .....at the address mentioned above.

The person filing the objection/representation should give the following particulars.—

- (1) Name and full address:
- (2) Grounds/reasons in support of the objection/representation together with the documents or evidence, if available:
- (3) Whether he wishes to be heard in person or through authorized representative at the time of hearing:

Date:.....

Place:.....

*Member Secretary.*

### FORM 6

[See rule 25(2)]

## PROFORMA OF CERTIFICATE OF REGISTRATION OF THE GROUND WATER SOURCE THE HIMACHAL PRADESH GROUND WATER AUTHORITY SHIMLA

Certified that the GROUND WATER SOURCE Known as .....  
.....located  
in.....district.....Himachal Pradesh, owned by.....  
s/o ..... and the water extracted therefrom is being used for the purpose  
of ..... is registered with this Authority vide registration No.  
.....of .....year.

Given under seal of the Himachal Pradesh Ground water Authority

Date:.....

*Member Secretary.*

Place:.....

**FORM 7**

[See rule 26(1)]

**PROFORMA OF APPLICATION UNDER SECTION 9 FOR REGISTRATION OF THE DRILLING MACHINERY**

[The applicant must submit complete application in duplicate to the Member Secretary Himachal Pradesh Ground Water Authority-cum-Superintending Engineer (Planning & Investigation unit-II), Jal Bhawan, Kasumpatti Shimla-9 alongwith application fees of Rs.10,000/- in the form of a Demand Draft drawn in favour of the Member Secretary Himachal Pradesh Ground Water Authority payable at Shimla].

To

.....  
 .....

Sir,

I/we request you to register the machinery employed by me/us, for drilling operations in the State of Himachal Pradesh under section 9 of the Himachal Pradesh Ground Water (Regulation and Control of Development and Management) Act, 2005. The requisite information is furnished below:—

**1. Details of the applicant:**

- (1) Name of the applicant/ Organization:
- (2) Name of father /husband/Direct/Partner/Trustee:
- (3) Address for correspondence:
- (4) Where applicant is a corporate body, give details:
  - (a) Whether the user is a Company /Firm /Co-operative Society/others:
  - (b) Whether the same is incorporated /registered:  
 Place of incorporation /registration:  
 Year of incorporation :  
 Registration No.:  
 Place of registration of the firm, co-operative society:
  - (c) Names and address of the Directors/partners/Governing Body Member/Trustees:
- (5) Details of area of operation:
- (6) Nature of drilling operations:
- (7) Details of heavy drilling machinery in use:
- (8) Details of other machinery and equipments in use:

(9) Details of drilling operations undertaken during last three years with results/targets achieved:

(10) Any other information which may be considered relevant:

**I/we hereby declare that :—**

- (a) the information provided in the form above is true to my knowledge .
- (b) I/we have read the Himachal Pradesh Ground Water (Regulation and Control of Development and Management )Act, 2005 and the rules framed thereunder and do undertake to comply with them.
- (c) I/we have deposited the registration fee of Rs.....through bank draft/cheque No.....dated ..... drawn in favour of Member Secretary (Ground Water Authority) payable at .....or in cash vide receipt No..... dated .....
- (d) I/we shall undertake the ground water drilling operations in efficient co-ordinated and economical manner.
- (e) I/we shall comply with every lawful direction/ instruction issued by the Authority and its officers.

Signature of the applicant/authorized signatory.

Date:.....

Place:.....

**Note.—** The following documents shall be attached with the application form.—

- (1) In case of partnership firm, partnership deed.
- (2) In case of limited company Memorandum and Articles of Association and certificate of incorporation.
- (3) List of machinery and equipment in use.
- (4) Statement describing assets which the applicant has acquired or purposes of drilling operation in the State.

**FORM 8**

[See rule 26(4)]

**PROFORMA OF CERTIFICATE OF REGISTRATION OF DRILLING  
MACHINERY****THE HIMACHAL PRADESH GROUND WATER AUTHORITY SHIMLA**

Registration No. ....

Dated.....

The Himachal Pradesh Ground Water Authority Shimla, in exercise of the power vested in it under section 9 of the Himachal Pradesh Ground Water ( Regulation and Control of Development and Management) Act, 2005( Act No.31 Of 2005) hereby registers M/S..... (name and full address) as Rig Operator/Drilling Agency operating in the State of Himachal Pradesh and the list of the machinery/equipment employed by him/her and it is registered with the Authority vide registration No..... of the year .....

Given under seal of the Himachal Pradesh Ground Water Authority

Date:.....

*Member Secretary.*

Place:.....

**FORM 9**

[See rule 35(3)]

BEFORE THE.....

(name of Appellate Authority)

APPEAL No.

(To be filled by the office)

**In the matter of:—**

(Name and full address of the appellant/applicant and names and full address of the respondents)

Affidavit Verifying the petition/reply/application

I ,....., son of ....., aged ....., resident of....., do hereby solemnly affirm and declare as under:—

1. I am a Director/Secretary /..... of ..... limited, the petition/appellant /respondent/ in the above matter and duly authorized by the said petitioner/appellant to make this affidavit on his/its behalf.

*Note.*—This paragraph is to be included in cases where the petitioner/ appellant/respondent is the company.

2. The statements made in paragraphs ..... of the petition/application/reply ..... herein now shown to me are true to the best of my knowledge and the statements made in paragraphs..... are based on information that I believe to be true.

Deponent.

Verification.

I, the above named deponent do hereby verify that the contents of my above affidavit are true to the best of my knowledge and no part of it is false and nothing material has been concealed there from.

Verified at ..... on this day of.....

Deponent.

By order,

Sd/-

*Principal Secretary.*

